पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

सेलिना जेटली बोलीं- महीनों से बेटों की आवाज नहीं सुनी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 44 ■ अंक : 21 ■ गुरुवार 26 मार्च 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

केबी रोड का निर्माण कार्य घटिया -टोनी सीरवानी

उल्हासनग. कल्याण-अंबरनाथ रोड का निर्माण कार्य तेज गति से शुरू है लेकिन यह पूरा निर्माण कार्य घटिया स्तर का हो रहा है और ठेकेदार द्वारा काफी लापरवाही से कल्याण अंबरनाथ रोड के निर्माण कार्य को अंजाम दिया जा रहा है. ऐसी जानकारी भाजपा नगरसेवक टोनी सीरवानी देते हुए उक्त निर्माण कार्य पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं. दरअसल नगरसेवक टोनी सीरवानी द्वारा राज्य तथा उल्हासनगर महानगरपालिका के सार्वजनिक बांधकाम विभाग (पीडब्लयूडी) के अधिकारियों के साथ कल्याण-अंबरनाथ रोड के निर्माण कार्य का दो दिन पहले जायजा लिया गया। जिस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए टोनी सीरवानी ने बताया कि उक्त निर्माण कार्य काफी घटिया स्तर का हो रहा है और जिस निर्माण कार्य को देखकर उमनपा पीडब्लयूडी विभाग के अधिकारी भी काफी अचंभित हैं.

टोनी सीरवानी ने बताया कि कल्याण-अंबरनाथ रोड के घटिया स्तर निर्माण कार्य की जानकारी उन्होंने राज्य के पीडब्लयूडी विभाग अधिकारी पाटिल को दी है और जिन्होंने आश्वस्त किया है कि जल्द ही ठेकेदार को बुलाकर पूरे निर्माण कार्य का निरीक्षण करवाया जाएगा.

बता दें कि टोनी सीरवानी का कहना है कि अगर इस प्रकार से ठेकेदार द्वारा मनमाने रवैये से घटिया स्तर का काम किया जाएगा तो आने वाले कुछ ही समय में यह रोड पूरी तरह से उखड़ जाएगा जो कि सरासर आम जनता के पैसों की बर्बादी है और जिस लापरवाही को बर्दाशात नहीं किया जाएगा.

‘परिवार सदन’ बिल्डिंग का स्लैब गिरा

दिल दहला देने वाली घटना

उल्हासनगर में खतरनाक व जर्जर इमारतों का मुद्दा फिर चर्चा में

■ 3 मंज़िला बिल्डिंग का स्लैब गिरने पर लोग बचाने के लिए दौड़े

उल्हासनगर. उल्हासनगर के कैंप नंबर 4 में तीन मंज़िला बिल्डिंग "परिवार सदन" का स्लैब सोमवार शाम को अचानक गिर गया, जिससे इलाके में डर फैल गया। खुशकिस्मती से, कुछ सेकंड के अंतर से एक बड़ी जनहानि टल गई, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर शहर में खतरनाक बिल्डिंग्स के मुद्दे को सामने ला दिया है।

उल्हासनगर शहर के कैंप नंबर 4 इलाके में पद्मा क्लासेस के पीछे बनी तीन मंज़िला बिल्डिंग "परिवार सदन" में सोमवार शाम को एक भयानक घटना हुई। बिल्डिंग की दूसरी मंज़िल का एक स्लैब अचानक गिरकर सीधे पहली मंज़िल पर गिर गया, जिससे सनसनी फैल गई। इस बिल्डिंग में कुल आठ फ्लैट हैं, जिनमें से पांच पहले से बंद थे, जबकि तीन फ्लैट में परिवार रह रहे थे। जैसे ही स्लैब गिरा, ज़ोरदार आवाज़ हुई और डरे हुए लोग तुरंत अपने घरों से बाहर भागे। आशंका है कि अगर कुछ पल की देरी होती तो बहुत बड़ी जान-माल का नुकसान हो सकता था।

उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, फायर ब्रिगेड और पुलिस के अधिकारी कमिश्नर मनीषा आव्हाले के नेतृत्व में मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने तुरंत बिल्डिंग खाली कराकर इलाके की घेराबंदी कर दी। लोगों की सुरक्षा के लिए बिल्डिंग को सील कर दिया गया है। अभी घटना की पूरी जांच चल रही है और प्रशासन कंस्ट्रक्शन की स्थिति, लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों और आगे की कार्रवाई पर फैसला करेगा। इस घटना ने एक बार फिर शहर में खतरनाक बिल्डिंगों के खिलाफ तुरंत कदम उठाने की जरूरत को सामने लाया है।

बिल्डिंग की बिजली और पानी की सप्लाई काटी

प्रभाग समिति क्र. 4 की सहायक आयुक्त अलका पवार ने बताया कि "परिवार सदन" बिल्डिंग पहले से ही खतरनाक बिल्डिंगों की लिस्ट में शामिल थी और वहां रहने वालों को पहले ही नोटिस दिया जा चुका था। फिर भी, कुछ लोग वहां रह रहे थे। हालांकि, कमिश्नर के आदेश के अनुसार, अब इस बिल्डिंग की बिजली और पानी की सप्लाई हमेशा के लिए काट दी गई है।

अफवाह ने बुधवार को कल्याण-डोंबिवली की रफ्तार पर असर डाल दिया। पेट्रोल की कमी की चर्चा फैलते ही शहर के कई पेट्रोल पंपों पर अचानक भीड़ उमड़ पड़ी। हालात ऐसे बने कि लोग अपनी बारी से पहले पेट्रोल भरवाने की होड़ में नजर आए।

फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ मनपा करेगी कार्रवाई

■ मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने दोबारा सर्वे का आदेश दिया

■ हेल्थ डिपार्टमेंट अलर्ट पर

■ उल्हासनगर में फर्जी डॉक्टरों पर लगाम

■ इंस्पेक्शन और एक्शन के लिए सिस्टम तैयार

उल्हासनगर. उल्हासनगर में फर्जी डॉक्टरों पर लगाम लगाने के लिए महानगर पालिका ने अब सख्त रुख अपनाया है और मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट की रिव्यू मीटिंग में एक बार फिर बड़े पैमाने पर सर्वे और सख्त एक्शन की चेतावनी दी गई है। साफ संकेत हैं कि एडमिनिस्ट्रेशन अब सीधे तौर पर लोगों की हेल्थ से खिलवाड़ करने वाले फर्जी डॉक्टरों पर सख्त एक्शन लेगा.

उल्हासनगर महानगर पालिका के मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट की तरफ से फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ एक्शन को लेकर कमिश्नर मनीषा आव्हाले के ऑफिस में सोमवार (23 मार्च) को एक रिव्यू मीटिंग हुई। इस मीटिंग में एडिशनल कमिश्नर डॉ. धीरज चव्हाण, असिस्टेंट पुलिस कमिश्नरों के रिप्रेजेंटेटिव, मेडिकल हेल्थ ऑफिसर डॉ. मोहिनी धर्मा, लीगल ऑफिसर, वार्ड ऑफिसर के साथ-साथ अर्बन हेल्थ सेंटर्स के मेडिकल ऑफिसर और कर्मचारी मौजूद थे।

मीटिंग में शहर में फर्जी मेडिकल कारोबार करने वालों पर लगाम लगाने के लिए एक बार फिर से पूरी तरह से सर्वे करने का निर्देश दिया गया। यह साफ किया गया कि इस सर्वे में दोषी पाए जाने वाले फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ नियमों के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही, संदिग्ध मेडिकल प्रोफेशनल्स पर लगातार नजर रखने के लिए एक अच्छा इंस्पेक्शन सिस्टम बनाने पर जोर दिया गया। मेडिकल अधिकारियों, कर्मचारियों और आशा वर्कर्स के जरिए रेगुलर विजिट और इंस्पेक्शन करने के निर्देश दिए गए हैं। मनपा की इस कार्रवाई से शहर में बिना इजाज़त के मेडिकल कारोबार पर बड़ी रोक लगने की संभावना है। प्रशासन ने इस मीटिंग के जरिए साफ संदेश दिया है कि नागरिकों की सेहत से जुड़ा कोई भी खतरा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शुक्रवार को ठाणे के कुछ इलाकों में पानी नहीं

ठाणे. ठाणे मनपा क्षेत्र में आनंद नगर से साकेत तक एलिवेटेड रोड का काम किया जा रहा है. इसकी वजह से इंदिरा नगर जाने वाली 813 मिमी व्यास की अपस्ट्रीम पाइप पर असर पड़ रहा है, इसलिए एमएमआरडीए की तरफ से 900 मिमी व्यास की 2200 मीटर पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है.इसमें से 520 मीटर की दूरी तक पानी की पाइप बिछाने का काम पूरा कर लिया गया है. एमएमआरडीए ने मांग की है कि पानी की पाइप के कनेक्शन के काम के लिए पानी की सप्लाई रोक दी जाए, इसके लिए मौजूदा 813 मिमी व्यास की पानी की पाइप को 520 मीटर की दूरी तक हटाकर और नई बिछाई गई 900 मिमी व्यास की पानी की पाइप को चालू किया जाए.

‘आज रात मौत का तांडव होगा’

■ सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के बाद व्यापारी पर चाकू से हमला; दिनदहाड़े लूट

उल्हासनगर. "मेरा टारगेट अजीतसिंह उर्फ भोगाड़ी है आज रात मौत का तांडव होगा!" सोशल मीडिया पर इस पोस्ट के कुछ ही घंटों में एक दुकान पर चाकू लेकर पहुंचे गुंडों ने हफ्ता देने की मांग की और दिनदहाड़े लूट की. उल्हासनगर में हुई इस फिल्मी लेकिन चौंकाने वाली घटना ने व्यापारियों में बहुत डर का माहौल बना दिया है।

उल्हासनगर शहर में एक बार फिर जुर्म का दुस्साहस सामने आया है और एक चौंकाने वाली घटना हुई है जिसमें हफ्ता न देने पर एक व्यापारी को चाकू दिखाकर धमकाकर पैसे ऐंठ लिए गए। इस मामले में हिललाइन पुलिस स्टेशन में सतनाम सिंह उर्फ काला विजेंद्र सिंह लबाना (उम्र 25) के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता अजीतसिंह ठाकरसिंह लबाना (उम्र 38) उल्हासनगर-5 के गणेश नगर रोड इलाके में जींस पैकिंग का बिज़नेस करते हैं। आरोपी काला उनकी दुकान के सामने एक्टिवा टू-व्हीलर पर आया था। उससे पहले उसने इंस्टाग्राम पर धमकी भरा पोस्ट करते हुए कहा था, "मेरा टारगेट अजीतसिंह उर्फ भोगड़ी है।"

दुकान में घुसते ही आरोपी ने चाकू निकालकर कहा, "अगर बिज़नेस करना है तो मुझे हर महीने हफ्ता देना होगा." फिर, "आज नहीं छोड़ूंगा" की धमकी देते हुए उसने शिकायतकर्ता की शर्ट की जेब से ज़बरदस्ती 1050 रुपये निकाल लिए। जब उसने विरोध किया तो चाकू के हमले में शिकायतकर्ता के बाएं हाथ में हल्की चोटें आईं।

इस बीच, जब मौके पर जमा हुए लोगों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो आरोपी ने हवा में चाकू लहराते हुए धमकी दी, "जो भी बीच-बचाव करेगा, काट डालूंगा।" इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है और पुलिस आगे की जांच कर रही है।

अंबरनाथ जलापूर्ति समस्या का हल

■ लीकेज बंद करो, डैम की ऊंचाई बढ़ाई जाए

■ मंत्री के साथ हुई कई बैठकों, लेकिन पानी की समस्या जस की तस

■ अधिकारियों के तबादले से समस्या हल नहीं होगी

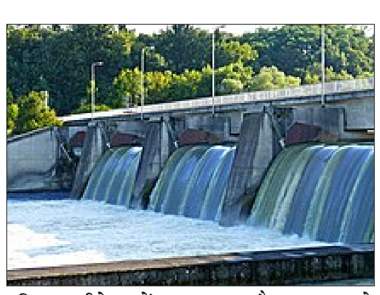

अंबरनाथ. पानी की समस्या के बारे में जलापूर्ति मंत्री गुलाबराव पाटिल गत सात वर्षों से बैठक ले रहे हैं, लेकिन पानी की समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है. गत दिनों भी विधायक किणीकर एवं उनके नगरसेवकों ने मंत्रालय में अंबरनाथ की गंभीर पानी की समस्या के बारे में मंत्री पाटिल के साथ बैठक ली. उसमें मजीप्रा के अधिकारी भी उपस्थित थे. किणीकर ने मंत्री महोदय से मांग की है कि अधिकारी सही कार्य नहीं कर रहे हैं. इसलिए उनका तबादला किया जाए. शहर में इस बात की चर्चा है कि क्या अधिकारियों के तबादले से शहर की पानी की समस्या हल हो जाएगी. शहर में बैरेज डैम से 56 एमएलडी, एमआईडीसी से 22 एमएलडी और शहर पूर्व के चिखलोली डैम से 6 एमएलडी कुल 84 एमएलडी पानी शहर को रोजाना दिया जा रहा है, जिसमें से 33 प्रतिशत लीकेज में चला जाता है. सरकार को चाहिए कि सबसे पहले इसका उपाय करे. ये लीकेज बड़े पाइप लाइन में हैं. ये पाइपलाइन सीमेंट की सड़कों के नीचे दबे हुए हैं. केबी सड़क निर्माण के समय इस पर ध्यान नहीं दिया गया है. अब क्या सड़क तोड़ेंगे, ऐसा सरकार करती नहीं है. चिखलोली डैम की ऊंचाई बढ़ाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए गए. एक वर्ष तक डैम की जलापूर्ति को बंद रखा गया, लेकिन डैम की ऊंचाई नहीं बढ़ाई जा सकी. कल भी डैम में से 6 एमएलडी पानी आपूर्ति होती थी, आज भी वही है. शहर की आबादी 4 लाख 70 हजार से भी ज्यादा है. उपरोक्त दोनों समस्या का हल निकाला गया तो शहरवासियों को पानी मिलना मुमकिन है. अधिकारियों के तबादले से कुछ नहीं होगा. जब से पानी की समस्या शुरू हुई है, तीन अधिकारियों के तबादले हो गए हैं, लेकिन पानी की समस्या जस की तस है.

समृद्धि महामार्ग के निंबवली टोल प्लाजा पर गड़बड़ी का आरोप

■ यात्रियों के साथ बदतमीज़ी

■ अधिकारियों की गैर-मौजूदगी

कल्याण. समृद्धि हाईवे के निंबवली टोल प्लाजा पर टोल वसूली में गड़बड़ी, गैर-कानूनी टोल माफी और यात्रियों के साथ बदतमीज़ी ने प्रशासन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक यात्री की शिकायत के बाद मामला गंभीर हो गया है और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ ऑफिशियल शिकायत दर्ज की गई है।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, हाईवे पर सफर करते समय, उसके बगल में चल रही गाड़ी ने ड्राइवर साइड पर पहचान पत्र जैसा दिखने वाला एक कार्ड दिखाया और बिना टोल दिए निकल गया। आरोप है कि टोल वसूली में ट्रांसपेरेंसी की कमी है क्योंकि संबंधित टोल कर्मचारी ने बिना किसी वेरिफिकेशन के गाड़ी को आगे बढ़ने दिया। जब कर्मचारियों से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने शुरू में कहा कि 'यह पुलिस की गाड़ी है'।

हालांकि, आगे पूछताछ के दौरान, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि कर्मचारी ने 'यह कमिश्नर है' कहकर बदतमीज़ी की। इससे टोल प्लाजा पर अनुशासन और ज़िम्मेदारी पर सवाल उठे हैं। वहीं, यह भी देखा गया है कि टोल प्लाजा पर दोपहिया वाहन भी बेरोकटोक चल रहे हैं। नियमों का पालन न करने से रेवेन्यू में कमी आने की संभावना जताई जा रही है। यह भी साफ था कि घटना के समय टोल प्लाजा के मैनेजर मौजूद नहीं थे। कर्मचारी 'छुट्टी पर' होने की बात कहकर शिकायत करने से हिचकिचा रहे थे।

निंबवली टोल प्लाजा का मैनेजमेंट कंपनी के कंट्रोल में होने के बावजूद कंट्रोल में ढिलाई की बात कही जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि भविष्य में कोई गंभीर घटना होने पर जिम्मेदारी तय करना मुश्किल होगा। इस बैकग्राउंड में, संबंधित अधिकारियों के पास ऑफिशियल शिकायत दर्ज कराई गई है।

टोल प्लाजा मैनेजर समीर शेख ने कहा कि वह उस समय ईद के मौके पर छुट्टी पर थे। चूंकि यह गाड़ी टिटवाला पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी की थी, इसलिए टोल माफ कर दिया गया। उन्होंने बताया कि बदतमीजी करने वाले को चेतावनी दी गई है। समृद्धि हाईवे पर ऐसी घटनाएं गंभीर मामला है।

होटल और इंडस्ट्रीज़ के लिए बड़ी राहत

LPG का कोटा बढ़ाया गया

ठाणे. केंद्र सरकार ने देश में कमर्शियल LPG गैस की सप्लाई को लेकर एक ज़रूरी कदम उठाया है, और राज्यों को दिया जाने वाला कुल कोटा अब 50 परसेंट बढ़ा दिया गया है. पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय के सेक्रेटरी डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों के चीफ सेक्रेटरी को एक लेटर के ज़रिए इसकी जानकारी दी है. डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने बताया है कि यह फ़ैसला राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार लागू किया जाएगा.

इस नई पॉलिसी के अनुसार, राज्यों को पहले मिलने वाले 20 परसेंट कोटा और बाद में सुधारों के आधार पर बढ़ाए गए 10 परसेंट कोटा के अलावा अब अतिरिक्त 20 परसेंट कोटा मंज़ूर किया गया है. इससे कमर्शियल LPG की कुल सप्लाई अब संकट से पहले के लेवल के 50 परसेंट तक पहुँच गई है. इस बढ़े हुए कोटे से रेस्टोरेंट, ढाबे, होटल, इंडस्ट्रियल कैंटीन, फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री, डेयरियां और सरकारी सब्सिडी वाले फूड सेंटर को सबसे ज़्यादा फायदा होगा। माइग्रेंट वर्कर के लिए मिलने वाले 5 kg FTL सिलेंडर की सप्लाई को भी प्राथमिकता दी गई है।

लाभार्थियों के लिए सुविधा का फायदा उठाने की शर्तें

■ सरकार ने इस सुविधा का फायदा उठाने के लिए कुछ शर्तें भी रखी हैं। सभी कमर्शियल और इंडस्ट्रियल LPG कंज्यूमर के लिए संबंधित तेल कंपनियों के साथ ऑफिशियली रजिस्टर करना ज़रूरी कर दिया गया है।

■ ये कंपनियां कंज्यूमर और उनके एरिया की सालाना खपत का पूरा रिकॉर्ड रखेंगी, ताकि गैस का गलत इस्तेमाल रोका जा सके। जिन एरिया में पाइप्ड गैस की सुविधा है, वहां कंज्यूमर को PNG के लिए अप्लाई करना होगा और इसे इस्तेमाल करने के लिए अपनी तैयारी दिखानी होगी।

■ सरकार ने भरोसा जताया है कि इस फैसले से कमर्शियल सेक्टर में फ्यूल की कमी को दूर करने में मदद मिलेगी और इंडस्ट्री को बड़ी राहत मिलेगी।

सिलेंडर की कमी से अब जलने लगे चूल्हे !

■ गैस की कमी से मनपा के सामने का स्टॉल बंद

■ कर्मचारियों के सामन नाश्ते का संकट

उल्हासनगर. खाड़ी देशों में बढ़ते ईरान-US तनाव का असर अब सीधे तौर पर लोकल नाइट लाइफ पर पड़ रहा है, और कमर्शियल गैस की कमी ने उल्हासनगर के होटलों और नाश्ते की दुकानों के लिए बड़ा संकट खड़ा कर दिया है. गैस सिलेंडर समय पर न मिलने की वजह से कई दुकानों में खाना बनाना बंद हो गया है, और कुछ दुकानों में पारंपरिक लकड़ी के चूल्हों पर खाना बनाने की नौबत आ गई है. उल्हासनगर रेलवे स्टेशन के पूरब में रेक्सा स्टैंड के सामने अंजलि होटल में चल रही दुकानों में भी ऐसी ही स्थिति देखी जा रही है.

■ गैस की कमी से कैटरिंग व्यवसाय संकट में

यहां हर दिन सैकड़ों यात्री, कर्मचारी और लोकल नागरिक खाना खाने आते हैं. लेकिन, पिछले कुछ दिनों से कमर्शियल गैस की सप्लाई में रुकावट आने की वजह से होटल मालिक अक्षय शिंदे ने ऑप्शन के तौर पर स्टोव का सहारा लिया है। स्टोव पर खाना पकाने में ज़्यादा समय लगता है, इसलिए कस्टमर्स को इंतज़ार करना पड़ता है, जबकि वर्कर्स भी धुएं और गर्मी से परेशान हो रहे हैं। होटल वालों के मुताबिक, गैस सप्लायर्स से सिलेंडर की टाइम पर डिलीवरी न होने से उनके फाइनेंशियल कैलकुलेशन पर भी असर पड़ा है। गैस न मिलने से बिज़नेस चलाना मुश्किल हो गया है। एक बिज़नेसमैन ने कहा, हालांकि चूल्हे पर खाना बनाना एक टेम्परारी सॉल्यूशन है, लेकिन इससे खर्च और मेहनत दोनों बढ़ती है।

■ स्टॉल पर डिपेंडेंट कर्मचारी, नागरिक

इस बीच, उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सामने सुरेश सुहांडा को भी गैस की कमी के कारण ब्रेकफ़ास्ट स्टॉल बंद करना पड़ा है। बड़ी संख्या में म्युनिसिपल कर्मचारी, ऑफिस वर्कर और नागरिक हर सुबह ब्रेकफ़ास्ट के लिए इसी स्टॉल पर डिपेंड करते हैं। स्टॉल बंद होने से कर्मचारियों को बहुत परेशानी हो रही है और उन्हें ब्रेकफ़ास्ट के लिए दूर जाना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने नाराज़गी जताई है कि इससे काम के घंटों में भी दिक्कत हो रही है।

■ गैस सप्लाई को सुचारू करने की मांग

इस स्थिति से शहर के छोटे बिज़नेसमैन पर बहुत ज़्यादा फाइनेंशियल प्रेशर पड़ रहा है और कंज्यूमर्स को भी परेशानी हो रही है। होटल मालिक, स्टॉल व्यवसायी और नागरिक मांग कर रहे हैं कि गैस सप्लाई को जल्द से जल्द सुचारू किया जाए। उम्मीद है कि एडमिनिस्ट्रेशन इस समस्या पर तुरंत ध्यान देगा और उपाय करेगा।

गीत-संगीत पर सीनियर सिटीज़न का सम्मेलन

उल्हासनगर. हाल ही में उल्हासनगर कैंप नंबर 4 के श्रीरामनगर इलाके में सीनियर सिटिज़न के एक साथ आने की भावना को सम्मान देने और मज़बूत करने के लिए एक प्रेरणा देने वाला समारोह हुआ। नए बने धर्मवीर ज्येष्ठ नागरिक संघ की पहल पर हुए इस सम्मेलन में सीनियर सिटीज़न ने स्वस्फूर्त प्रतिसाद दिया और पूरा माहौल खुशी, संगीत और प्यार से भर गया।

धर्मवीर ज्येष्ठ नागरिक संघ की ओर से 22 मार्च को श्रीरामनगर के यशवंत विद्यालय के परिसर में सीनियर सिटिज़न का एक बड़ा सम्मेलन हुआ। इलाके के बड़ी संख्या में सीनियर सिटीज़न ने कार्यक्रम में शामिल हुए. इस मौके पर अंबरनाथ ज्येष्ठ नागरिक संघ के पूर्व अध्यक्ष शिवशंकर गायकवाड़ ने मौजूद लोगों का मार्गदर्शन किया और एक एक्टिव और खुशहाल लाइफस्टाइल के महत्व पर ज़ोर दिया। प्रोग्राम में 'स्वरांजलि' कराओके ग्रुप के कलाकारों ने हिंदी और मराठी गानों का शानदार कॉन्सर्ट पेश करके माहौल को खुशनुमा बना दिया।

उल्हासनगर की गायिका सुश्री देवश्री भंगाले ने अपने मधुर गानों से दर्शकों का दिल जीत लिया। दिलीप सपकाल, मनोज भंगाले, राजेश भंगाले, कैलाश जैन, प्रकाश माली, भालचंद्र भंगाले और रत्नाकर मोरे ने भी अपनी मधुर परफॉर्मेंस से प्रोग्राम की खूबसूरती बढ़ाई। प्रोग्राम का आयोजन समाजसेवी दिलीप सपकाल, बापू सावंत और उनके साथियों ने किया। इस मौके पर भविष्य में बुजुर्गों के लिए अलग-अलग एक्टिविटीज़ करने का संकल्प लिया गया। प्रह्लाद कोलटे ने प्रोग्राम को अच्छे से चलाया।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास

संपादकीय

‘हरित दिल्ली’ का ब्लूप्रिंट

इस बार दिल्ली के बजट में विकास की संतुलित तस्वीर नजर आती है। इसमें भले ही राष्ट्रीय राजधानी के बाशिंदों को तात्कालिक लाभ वाली घोषणाओं की कमी महसूस हो, लेकिन भविष्य की उम्मीदों को लेकर प्रतिबद्धता साफ दिखती है, जिसमें प्रदूषण जैसे गंभीर मसले की चिंता भी शामिल है। ऐसा इसलिए, क्योंकि कुल बजट का इक्कीस फीसद हिस्सा पर्यावरण संरक्षण पहल के लिए रखा गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1,03,700 करोड़ रुपए का बजट पेश करते हुए कहा कि यह हरित बजट है।

इसमें दोराय नहीं कि सरकार की नीतियों में जनसरोकार की भावना दिखनी चाहिए। इस दृष्टि से देखें, तो सरकार ने इसका विशेष ध्यान रखा है और शिक्षा क्षेत्र के साथ जनस्वास्थ्य सेवाओं को भी प्राथमिकता दी है। शिक्षा पर कुल बजट का अठारह फीसद खर्च करने का निर्णय निस्संदेह सराहनीय कदम है। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं के लिए तेरह हजार करोड़ से अधिक राशि आबंटित किए जाने से उम्मीद की जा सकती है कि सरकारी अस्पतालों की दशा और दिशा बदलेगी।

बजट में नागरिकों को बेहतर और आधुनिक सुविधाएं देने का संतुलित प्रयास किया गया है। युवा पीढ़ी भविष्य में दिल्ली की जो नई तस्वीर देखना चाहती है, सरकार उसी दिशा में कदम बढ़ाती दिख रही है। आने वाले वर्षों में यहां सार्वजनिक परिवहन का नया रूप सामने होगा, क्योंकि मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि वर्ष 2029 तक पूरे परिवहन बेड़े को इलेक्ट्रिक बसों में बदला जाएगा। इसी के साथ दिल्ली की सड़कों की दशा सुधारने की इच्छाशक्ति भी सरकार ने दिखाई है।

शहरी विकास के साथ धूलमुक्त सड़कें बनाने के लिए अलग से राशि का आबंटन किया गया है। नई सेमीकंडक्टर नीति की घोषणा से उम्मीद जगी है कि राजधानी में नवउद्यम समेत बुनियादी औद्योगिक ढांचे का सतत विकास होगा। इसके अलावा अटल कैंटीन से जुड़े विश्राम स्थल बनाने की घोषणा से अस्थायी कर्मचारियों को रोजमर्रा की कठिनाइयों से राहत मिलने की उम्मीद जगी है। कुल मिलाकर यह बजट विकासोन्मुख माना जा रहा है, लेकिन यह तभी संभव होगा, जब बजट घोषणाओं पर पूरी तरह अमल किया जाएगा।

विचार : मजहबी खेमों की भी मोर्चेबंदी

पश्चिम एशिया में छिड़ा युद्ध केवल ईरान बनाम इजरायल या तेहरान बनाम वाशिंगटन संघर्ष के रूप में ही सिमटकर नहीं रह गया है। यह टकराव अब और खतरनाक स्वरूप लेकर बहुस्तरीय बनता जा रहा है। इसमें भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के साथ ही वर्गीय पहचान, वैचारिक वैधता और रणनीतिक अवसरवाद जैसे पहलू भी जुड़ते जा रहे हैं। संघर्ष का दायरा भी गाजा की सड़कों से लेकर पाकिस्तान के जनजातीय इलाकों तक फैल गया है। इसमें शिया-सुन्नी टकराव की लकीरें भी चौड़ी हो रही हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान ने अपने वैचारिक प्रभाव को अपनी सीमाओं से परे बढ़ाने के भरसक प्रयास किए।

चूंकि इस इलाके की आबादी मुख्य रूप से सुन्नी बहुतायत वाली है, इसलिए शिया बहुल ईरान को वैचारिक मोर्चे पर वैधता के लिए संघर्ष ही करना पड़ा। अपने वैचारिक प्रभाव की राह में आ रहे अवरोधों की काट के लिए उसने स्वयं को फलस्तीन संघर्ष जैसी उन मांगों के साथ जोड़ लिया, जिसमें वैचारिक दरारों के लिए कोई जगह ही नहीं बचे। इसके लिए उसने कुछ संगठनों को पोषित करने से भी परहेज नहीं किया। इससे जहां ईरान के नेतृत्व में शिया संगठनों का नेटवर्क उभरा तो दूसरी ओर सुन्नी प्रभाव वाले सऊदी अरब एवं संयुक्त अरब अमीरात जैसे खाड़ी के राजशाही वाले देश थे। अमेरिकी सुरक्षा ढांचे पर निर्भर इन देशों की समय के साथ इजरायल के साथ नजदीकियां भी बढ़ती गईं। दोनों खेमों के बीच यह विभाजन केवल

मजहबी नहीं, बल्कि भूराजनीतिक भी है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष की परतें मजहबी मान्यताओं से अधिक राजनीतिक हितों और शक्ति-संतुलन से जुड़ी हैं। सुन्नी देश ईरान को एक विस्तारवादी वैचारिक खतरे के रूप में देखते हैं, क्योंकि वह अपने प्रभाव के विस्तार के लिए प्रयासरत है और विभिन्न संगठनों के जरिये अपनी पकड़ मजबूत करता है। वहीं, ईरान सुन्नी देशों को पश्चिमी शक्तियों के ऐसे प्रतिनिधि के रूप में देखता है, जो उसके प्रभाव को सीमित करने का काम करते हैं। यही इस संघर्ष का केंद्रीय विरोधाभास है, जहां एक शिया खेमा सुन्नी असंतोष से ताकत हासिल करता है, वहीं सुन्नी शासन तंत्र उसी पश्चिम-समर्थित व्यवस्था के साथ खड़ा है, जिसका अक्सर उसके अपने लोग ही विरोध करते हैं। ईरान के विरुद्ध अमेरिका-इजरायल की कोई जमीनी या व्यापक सैन्य कार्रवाई 2003 के इराक युद्ध की तुलना में कई गुना जटिल होगी। उन्हें भौगोलिक, सैन्य और वैचारिक तीनों ही स्तरों पर कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ेगा। ईरान, इराक जैसा नही हैं। यह आकार में कहीं बड़ा, सामाजिक रूप से अधिक सुसंगठित और मूलतः एकजुट राष्ट्र है। यहां स्थानीय मिलीशिया भी मजबूत हैं, जो एक साथ कई मोर्चे खोलने की क्षमता रखते हैं। ईरान की पूर्वी सीमा पाकिस्तान और अफगानिस्तान से सटी हुई है। सुन्नी विद्रोहियों का गढ़ होने के नाते यह चरमपंथी गतिविधियों का केंद्र रहा है। आइएसआइएस-खुरासान और जैश अल-अदल जैसे संगठन इसी क्षेत्र में सक्रिय हैं।

ये कट्टर शिया विरोध की जमीन पर ही पनपे हैं और ईरान का प्रतिरोध करते हैं। ये समूह एक वैकल्पिक दबाव तंत्र बना सकते हैं। यानी ईरान के पश्चिमी मोर्चों पर मजबूत किलेबंदी से टकराने के बजाय उसकी पूर्वी सीमा पर अस्थिरता पैदा की जा सकती है। इससे ईरान के सुरक्षा ढांचे पर दबाव बढ़ेगा। उसे पूर्वी सीमा पर अपने सैन्य संसाधन झोंकने पड़ेंगे, जिससे दूसरे मोर्चों पर उसकी कमजोरियां बढ़ेंगी। अमेरिका सोवियत-अफगान युद्ध के दौरान ऐसे पैंतरे आजमा कर सैन्य हस्तक्षेप के बिना ही रणनीतिक लाभ हासिल कर चुका है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चल रहे संघर्ष ने पहले से जटिल इस स्थिति को और भी उलझा दिया है। पाकिस्तान के लिए वर्तमान स्थिति अपनी भूराजनीतिक प्रासंगिकता को वापस पाने की भी है। अतीत पर दृष्टि डालें तो पाकिस्तान ऐसे मौकों को भुनाने में पारंगत रहा है। सोवियत-अफगान युद्ध में अपने सहयोग के बदले उसने वाशिंगटन से तमाम सामरिक एवं आर्थिक लाभ हासिल किए। पाकिस्तान को ईरान संकट में भी ऐसा ही मौका नजर आ रहा है, पर इस बार शायद उसके भाग्य से छींका न टूटे। इसका कारण यह है कि अफगानिस्तान में तालिबान शासन अब पाकिस्तानी रहमोकरम पर नहीं। वह अपनी स्वायत्तता पर अड़ा है। पाकिस्तानी दबाव का प्रतिरोध करने के साथ ही वह अपनी प्राथमिकताएं भी तय कर रहा है।

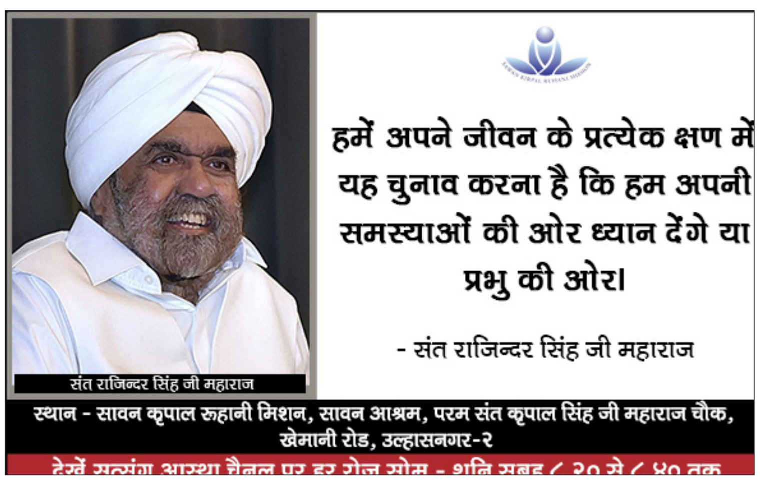

धर्म बदला तो अधिकार भी बदले

सर्वोच्च न्यायालय ने आरक्षित वर्ग और धर्मांतरण से जुड़े मसले पर मंगलवार को स्पष्ट एवं महत्त्वपूर्ण फैसला सुनाया है। इसके मुताबिक, हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म छोड़कर कोई दूसरा धर्म अपनाने वाला अनुसूचित जाति मूल का व्यक्ति या परिवार संरक्षण, आरक्षण या अन्य वैधानिक लाभ का पात्र होने का दावा नहीं कर सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार धर्म परिवर्तन के साथ ही उसका अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाता है।

शीर्ष अदालत के इस फैसले को लंबे समय से चल रही उस बहस पर निर्णायक माना जा रहा है, जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि भले ही किसी व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया हो, लेकिन उसकी मूल सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर उसे आरक्षित श्रेणी का लाभ मिलना चाहिए। ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहते हैं कि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग खुद को आरक्षित श्रेणी का लाभ पाने का हकदार मानते हैं। मगर अदालत ने अपने निर्णय में साफ कर दिया है कि इस तरह का कोई भी दावा मान्य नहीं हो सकता है।

दरअसल, यह मामला आंध्र प्रदेश से सर्वोच्च्च न्यायालय पहुंचा था। याचिकाकर्ता ने ईसाई धर्म अपना लिया था, इसके बावजूद वह खुद को

अनुसूचित जाति का सदस्य बताते हुए अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम के तहत संरक्षण प्रावधानों के लाभ की मांग कर रहा था। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने इससे संबंधित याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि धर्म परिवर्तन के बाद किसी व्यक्ति को अनुसूचित जाति का दर्जा नहीं दिया जा सकता।

इसे जागरूकता का अभाव कहा जाएगा या व्यवस्था में अस्पष्टता कि आरक्षित वर्ग से जुड़े लोगों में आज भी यह भ्रम है कि अगर वे हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर कोई दूसरा धर्म अपना लेते हैं, तब भी उन्हें अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम का लाभ मिलता रहेगा। मगर अब शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि ऐसे व्यक्ति को संविधान, संसद या राज्य विधानमंडल के किसी कानून के तहत कोई भी वैधानिक लाभ, संरक्षण या आरक्षण नहीं दिया जा सकता। यह पूरी तरह प्रतिबंधित है और इसमें कोई अपवाद नहीं है।

गौरतलब है कि धर्म परिवर्तन करने वालों की जातिगत स्थिति से जुड़े सवाल केवल अदालतों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इस मसले को राजनीतिक नफा-नुकसान के चश्मे से भी देखा जाता है। कर्नाटक के राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की ओर से पिछले दिनों की गई जाति गणना में उस वक्त विवाद खड़ा हो गया था, जब ईसाई समुदाय के अंतर्गत तैंतीस जातियों को सूचीबद्ध किया गया। तब विपक्ष के विरोध और राज्यपाल के सुझाव के बाद इन समुदायों को सूची से हटा दिया गया, हालांकि चार श्रेणियों को बरकरार रखा गया।

ऐसे में यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि आरक्षित वर्ग और धर्मांतरण से जुड़े मसले पर शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में जिस तरह स्थिति स्पष्ट की है, क्या इस तरह की पहल सरकारी स्तर पर नहीं की जा सकती थी? जबकि संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 में स्पष्ट किया गया है कि किसी भी धर्म को छोड़कर दूसरा धर्म अपनाने पर अनुसूचित जाति का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम का सुरक्षात्मक ढांचा उन लोगों तक विस्तारित नहीं किया जा सकता, जिन्होंने धर्म परिवर्तन करके इस सामाजिक और कानूनी श्रेणी से बाहर निकलने का विकल्प चुना है।

क्या आप भी फेंक देते हैं Toll Tax की पर्ची?

जरा हट के

उनेशनल हाईवे पर सफर करते समय टोल प्लाजा पर टैक्स चुकाने के बाद मिलने वाली छोटी सी पर्ची को ज्यादातर लोग बिना सोचे-समझे कचरे में फेंक देते हैं. लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक पोस्ट में एक पुलिस अधिकारी के हवाले से दावा किया जा रहा है कि इस रसीद को रखने के तीन बड़े फायदे हैं.

पोस्ट में कहा गया है कि गाड़ी खराब होने पर टोल वालों की जिम्मेदारी होगी, पेट्रोल खत्म हो जाए तो रसीद पर दिए नंबर पर कॉल करके पेट्रोल पहुंचा दिया जाएगा और खराब सड़क या गड्ढों से एक्सीडेंट होने पर हर्जाना भी मिलेगा. लेकिन क्या ये दावे पूरी तरह सच हैं?

इस वीडियो में तीन मुख्य फायदे बताए गए हैं-

पहला: गाड़ी खराब हो जाने पर उसे सुरक्षित जगह तक ले जाने (towing या क्रेन)

की जिम्मेदारी टोल ऑपरेटर की होगी.

दूसरा: अगर पेट्रोल खत्म हो जाए तो रसीद पर मौजूद नंबर डायल करके नजदीकी पेट्रोल पंप तक पहुंचने लायक तेल फ्री दिया जाएगा.

तीसरा: यात्रा के दौरान गड्ढों या खराब सड़क की वजह से एक्सीडेंट हो तो टोल कंपनी हर्जाना देगी.

NHAI और Indian Highways Management Company Limited (IHMCL) की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे पर इमरजेंसी सेवाएं उपलब्ध हैं, लेकिन रसीद अनिवार्य नहीं है. पूरे देश में 1033 टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 24 घंटे काम करता है. ब्रेकडाउन, एक्सीडेंट, मेडिकल इमरजेंसी या कोई भी समस्या होने पर इस नंबर पर कॉल करके हाईवे पेट्रोल, एम्बुलेंस और क्रेन सेवा मांगी जा सकती है. ये सेवाएं टोल देने वाले या ना देने वाले हर यूजर को उपलब्ध है.

फैक्ट चेक संगठनों के अनुसार यह दावा ज्यादातर बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया है. NHAI के आधिकारिक दस्तावेजों में टोल प्लाजा द्वारा फ्यूल सप्लाई करने की कोई गारंटीड जिम्मेदारी नहीं लिखी है

'गुड़ हलवा'

खाना-खजाना

चैत्र नवरात्र शक्ति की उपासना का समय है। देवी की पूजा में भोग के रूप में गुड़ का हलवा चढ़ाना शुभ माना जाता है। अगर आप भी भोग के लिए गुड़ का हलवा बनाना चाहते हैं, तो आइए जानें इसकी आसान रेसिपी।

सामग्री

- सूजी- 1 कप
- गुड़- 1 कप (कद्दूकस किया हुआ या छोटे टुकड़ों में)
- शुद्ध देसी घी- 1/2 कप
- पानी- 3 कप
- हरी इलायची पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच
- ड्राय फ्रूट्स- बादाम, काजू और किशमिश (कटे हुए)
- केसर- 5-6 धागे (ऑप्शनल)

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बर्तन में 3 कप पानी और गुड़ डालकर गैस पर रखें। इसे तब तक उबालें जब तक गुड़ पूरी तरह पानी में घुल न जाए। हमें चाशनी नहीं बनानी है, बस गुड़ को घोलना है। उबाल आने पर इसमें इलायची पाउडर और केसर डालकर गैस बंद कर दें। इसके बाद इस मिश्रण को छान लें ताकि गुड़ की अशुद्धियां निकल जाएं।

अब एक भारी तले की कड़ाही में देसी घी गर्म करें। जब घी पिघल जाए, तो इसमें सूजी डालें। मध्यम आंच पर सूजी को तब तक भूनें जब तक कि वह गोल्डन ब्राउन न हो जाए और उससे खुशबू न आने लगे। ध्यान रहे, सूजी को लगातार चलाते रहें, ताकि वह जले नहीं।

जब सूजी भुनने वाली हो, तब इसमें कटे हुए काजू और बादाम डाल दें। इससे मेवे भी घी में भुन जाएंगे और उनका स्वाद कुरकुरा हो जाएगा। अब आंच को एकदम धीमा कर दें और धीरे-धीरे गुड़ वाला पानी सूजी में डालें। सावधान रहें, क्योंकि इस समय भाप और छीटें उठ सकते हैं। लगातार चलाते हुए हलवे को तब तक पकाएं जब तक सूजी सारा पानी सोख न ले और हलवा कड़ाही के किनारे न छोड़ने लगे। लास्ट में एक चम्मच घी ऊपर से और डालें, इससे हलवे में बहुत अच्छी चमक और स्वाद आता है।

प्लास्टिक की थैली में उगाएं मशरूम!

मशरूम उगाने के लिए आपको बहुत खर्च करने या भारी-भरकम सेटअप की जरूरत नहीं. इसके लिए सबसे फेमस 'ऑयस्टर मशरूम' का चुनाव करना सबसे समझदारी भरा फैसला होता है, क्योंकि यह कम तापमान और कम रोशनी में भी आसानी से पनप जाता है. प्लास्टिक बैग में मशरूम उगाने की तकनीक न केवल जगह बचाती है, बल्कि इसमें नमी को नियंत्रित करना भी बहुत आसान होता है. आइए जानते हैं कि कैसे आप महज 5 आसान स्टेप्स में अपने घर के किसी कोने को 'मशरूम फार्म' में बदल सकते हैं.

- **बस अपनाएं 5 आसान स्टेप्स**
- **सालभर मिलेगा ताज़ा ऑर्गेनिक स्वाद**

स्टेप 1: मशरूम उगाने के लिए सबसे पहले आपको सूखे भूसे (गेहूं या धान का पुआल) की जरूरत होगी. सबसे पहले भूसे के छोटे-छोटे टुकड़े कर लें और उन्हें लगभग 12 से 15 घंटे के लिए पानी में भिगोकर छोड़ दें. इसके बाद भूसे को पानी से निकालकर उसे हल्का सुखा लें, ताकि उसमें केवल नमी रहे, पानी टपकना बंद हो जाए. ध्यान रहे कि भूसा साफ और फफूंद रहित होना चाहिए.

स्टेप 2: अब एक मध्यम आकार की पारदर्शी प्लास्टिक की थैली लें. इस थैली में सबसे पहले 2-3 इंच मोटी गीली भूसे की परत बिछाएं. इसके बाद इसके ऊपर मशरूम के बीज (जिसे स्पॉन कहा

जाता है) का छिड़काव करें. यही प्रक्रिया दोहराते हुए थैली को ऊपर तक भर लें. अंत में थैली का मुंह कसकर बांध दें और उसमें किसी नुकीली चीज से 8-10 छोटे छेद कर दें ताकि हवा का संचार बना रहे. यह छेद मशरूम को बाहर निकलने में मदद करेंगे.

स्टेप 3: बिजाई के बाद इन थैलियों को ऐसे कमरे या जगह पर रखें जहाँ सीधी धूप न आती हो और पर्याप्त अंधेरा हो. मशरूम को

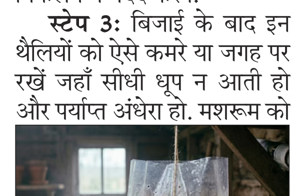

उगने के लिए 18°C से 25°C का तापमान सबसे अनुकूल होता है. अगले 15 से 20 दिनों तक थैलियों को बिल्कुल न हिलाएं. धीरे-धीरे आप देखेंगे कि भूसे के ऊपर सफेद रंग की कपास जैसी परत (माइसेलियम) जमने लगी है. जब पूरी थैली सफेद दिखने लगे, तो समझ लीजिए कि मशरूम निकलने के लिए तैयार है.

स्टेप 4: एक बार जब थैली पूरी तरह सफेद हो जाए, तो आपको नमी का खास ख्याल रखना होगा. दिन में दो से तीन बार स्प्रे बोतल की मदद से थैलियों पर हल्का पानी छिड़कें. इस दौरान कमरे में थोड़ी ताजी हवा और हल्की रोशनी आने दें. कुछ ही दिनों में प्लास्टिक बैग के छेदों से मशरूम के छोटे-छोटे 'पिन हेड्स' बाहर निकलने लगेंगे.

स्टेप 5: जब मशरूम के

किनारे ऊपर की ओर मुड़ने लगें, तब यह कटाई के लिए तैयार होते हैं. इन्हें जड़ के पास से धीरे से घुमाकर तोड़ लें. खास बात यह है कि एक ही बैग से आप 3 से 4 बार पैदावार ले सकते हैं. पहली कटाई के बाद फिर से नमी बनाए रखें और कुछ ही दिनों में मशरूम दोबारा निकलने शुरू हो जाएंगे. घर पर उगाए गए ये मशरूम स्वाद में लाजवाब होते हैं.

प्लास्टिक बैग में मशरूम उगाना न केवल एक मजेदार शौक है, बल्कि यह आपके परिवार को केमिकल-फ्री डाइट देने का एक शानदार तरीका भी है. कम खर्च, कम मेहनत और सीमित जगह में आप साल भर ताजे मशरूम का आनंद ले सकते हैं.

आज का राशिफल

मेष : पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। जल्दबाजी न करें।

वृषभ : व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन : घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी। शत्रुभय रहेगा।

कर्क : कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। अपेक्षाकृत कार्य समय पर होंगे। प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यस्तता रहेगी। प्रमाद न करें।

सिंह : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। निवेश शुभ फल देगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी, ध्यान रखें।

कन्या : पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। अपने काम पर ध्यान दें। लाभ होगा।

तुला : दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यस्तता रहेगी।

धनु : उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा। झंझटों से दूर रहें। कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। फालतू खर्च होगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। जोखिम बिलकुल न लें।

मकर : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ : फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय होगी। संतुष्टि नहीं होगी।

मीन : यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा, सावधानी रखें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

भिंडी का लसलसापन बिगाड़ देता है स्वाद

- **तो बनाते वक्त अपनाएं ये 7 तरीके**

भिंडी की सब्ज़ी स्वाद में भले ही सबकी फेवरेट हो, लेकिन इसका लसलसापन (चिपचिपाहट) अक्सर लोगों की परेशानी बढ़ा देता है. साथ ही सब्जी का पूरा स्वाद खराब कर सकता है. सही तरीके न अपनाने पर भिंडी चिपचिपी हो जाती है. अच्छी बात यह है कि कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर आप भिंडी की सब्ज़ी को एकदम सूखी, कुरकुरी और स्वादिष्ट बना सकते हैं. आइए जानते हैं कुछ खास तरीके.

1. भिंडी को अच्छी तरह सुखाना सबसे जरूरी

भिंडी धोने के बाद उसे तुरंत न काटें. पानी लगने से भिंडी ज्यादा लसलसी हो जाती है. धोने के बाद भिंडी को कपड़े पर फैलाकर पूरी तरह सुखा लें या 15–20 मिनट हवा में रख दें. गीली भिंडी कभी न काटें.

2. काटने से पहले भिंडी का डंठल और सिरा हटाएं

सिर्फ ऊपर-नीचे का हिस्सा काटें, बीच से काटने या बहुत ज्यादा पतला काटने से लसलसापन बढ़ता है. भिंडी को लंबे या मध्यम मोटे टुकड़ों में काटें.

3. तेल पहले अच्छी तरह

गरम करें कढ़ाही में तेल ठीक से गर्म न हो तो भिंडी चिपकने लगती है. तेज नहीं, लेकिन मध्यम से तेज आंच पर तेल गरम करें, उसके बाद ही भिंडी को डालें.

4. शुरुआती 5–7 मिनट न ढकें और न चलाएं

भिंडी डालने के बाद बार-बार चलाने से उसका चिपचिपापन बढ़ जाता है.

भिंडी डालकर खुली कढ़ाही में 5–7 मिनट पकने दें, बीच-बीच में हल्का-सा ही चलाएं.

5. नमक सही समय पर डालें

शुरुआत में नमक डालने से भिंडी पानी छोड़ती है. जब भिंडी हल्की-सी सिक जाए और सूखने लगे, तभी नमक डालें.

6. खट्टी चीज़ों का सही इस्तेमाल करें

खटास लसलसापन कम करने में मदद करती है. इसे सब्ज़ी बनने के अंत में ही डालें.

अमचूर पाउडर, टमाटर, या थोड़ा-सा नींबू रस डालें. इन चीजों को शुरुआत में भूलकर भी न डालें.

7. नींबू या सिरके की ट्रिक

भिंडी फ्राई करते समय चाहें तो शुरुआत में तेल में कुछ बूंदें नींबू रस या सिरका डाल सकती हैं. इससे चिपचिपापन जल्दी खत्म होता है.

खास टिप्स

- ढक्कन लगाकर भिंडी न पकाएं
- बहुत ज्यादा मसाले या पानी न डालें
- नॉन-स्टिक कढ़ाही में बनाना आसान रहता है
- भिंडी की सब्ज़ी का लसलसापन हटाना कोई मुश्किल काम नहीं है. बस सूखी भिंडी, सही आंच और सही समय पर मसालों का प्रयोग, इन तीन बातों का ध्यान रखें. इन तरीकों से आपकी भिंडी हर बार एकदम परफेक्ट बनेगी, न चिपचिपी, न फीकी, बल्कि स्वाद में एकदम लाजवाब.

पंखों से गर्मियों में नहीं बढ़ेगा बिजली का बिल

- **बस जान लें ये गजब की ट्रिक**

इलेक्ट्रॉनिक के क्षेत्र में 15 वर्षों का अनुभव रखने वाले रायबरेली जिले के इलेक्ट्रीशियन अमित कुमार बताते हैं कि पंखे में दो तरह के रेगुलेटर का इस्तेमाल किया जाता है. कुछ रेगुलेटर बिजली की खपत को रोकते हैं. जबकि कुछ रेगुलेटर ऐसे भी होते हैं, जो सिर्फ पंखे के चलने की स्पीड को कंट्रोल करते हैं. वह बिजली की खपत से उनका कोई लेना-देना नहीं होता.

कुछ पंखे ऐसे भी आते हैं, जो वोल्टेज को कम करके बिजली की खपत को कम करते हैं. वह बताते हैं कि रेगुलेटर पंखे में एक रेसिस्टर का रोल प्ले करता है. साथ ही रेगुलेटर पर दिए गए नंबरों दो-तीन नंबर या फिर चार पांच नंबर पर भी फैन चलाने पर बिजली की बचत से कोई लेना-देना नहीं होता है. इसके लिए कुछ अन्य बातों का ध्यान रखना चाहिए.

5-स्टार रेटिंग वाले सीलिंग फैन या बीएलडीसी मोटर वाले पंखे लगाएं, ये 50% तक कम बिजली खपत करते हैं.जरूरत के हिसाब से पंखे की स्पीड कम-ज्यादा करें.तेज

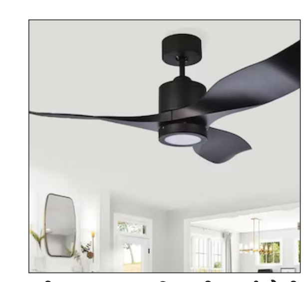

स्पीड पर ज्यादा बिजली खर्च होती है.

पंखे पर धूल जमने से हवा की गति कम होती है,और मोटर पर ज्यादा लोड पड़ता है, जिससे बिजली की खपत बढ़ती है. खिड़कियां और दरवाजे खोलकर प्राकृतिक हवा आने दें, जिससे पंखे को कम स्पीड पर भी ठंडक मिले.

सुबह और शाम को ताजी हवा का उपयोग करें, जिससे दोपहर में पंखा कम स्पीड पर भी ठंडा लगेगा यदि बहुत गर्मी हो, तो कूलर के साथ पंखा चलाएं, इससे कूलर जल्दी ठंडा करेगा और बिजली की बचत होगी.

यदि संभव हो, तो सौर ऊर्जा से चलने वाले पंखे का इस्तेमाल करें, जिससे बिजली बिल काफी कम होगा. जब जरूरत हो तभी पंखे का इस्तेमाल करें, अन्यथा उसे बंद रखें.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. ‘उल्हास विकास’ इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

सरयू नदी पर पुल निर्माण के दौरान गिरा लोहे का ढांचा, 4 मजदूर दबे; दो की दर्दनाक मौत

बलिया. बलिया में सरयू नदी पर बन रहे एक पुल के निर्माण के दौरान हादसा हो गया है। पुल का पिलर बनाने के लिए सरिया बांधते समय लोहे का ढांचा अचानक नीचे गिर गया। इससे चार मजदूर दब गए। सभी को नजदीक के सीयर में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पर ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने दो मजदूरों को मृत घोषित कर दिया। एक घायल मजदूर को प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों के रेफर करने पर बलिया के जिला अस्पताल ले जाया गया है। जबकि एक मजदूर को मामूली चोट आई है।

लोहे की रॉड से पीटकर पत्नी को मार डाला

सोनभद्र. सोनभद्र जिले में स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सिरसोती के महुआबारी गांव में मंगलवार की रात मोबाइल के चक्कर में पति ने पत्नी पर लोहे के राड से हमला कर उसकी जान ले ली। मोबाइल देखने को लेकर दोनों में विवाद हुआ था। वह अपनी पत्नी के साथ अपने ससुराल में ही रहता था। पुलिस आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

म्योरपुर थाना क्षेत्र के आश्रम मोड़ निवासी कन्हैया की शादी बीजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सिरसोती के महुआबारी गांव निवासी 26 वर्षीय सुमन कुमारी के साथ हुई थी। दोनों में लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी कारण सुमन कई वर्षों से अपने मायके ही आकर रह रही थी। मंगलवार रात लगभग 11 बजे सुमन मोबाइल देख रही थी। मोबाइल को लेकर कन्हैया और सुमन में कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि कन्हैया ने आपा खो दिया और घर में रखे लोहे के राड से सुमन के सिर पर जोरदार वार कर दिया। इसके बाद आरोपी ने सब्बल उसके पेट में घुसेड़ दिया, जिससे सुमन लहूलुहान होकर गिर पड़ी। चीख-पुकार सुनकर परिजनों और पड़ोसियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

आधी रात को नशे में घर आए पति फूटा पत्नी का गुस्सा, बेटों संग पीट-पीटकर मार डाला

गोरखपुर. उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में आधी रात को शराब के नशे में घर पहुंचे पति पर पत्नी का गुस्सा फूट पड़ा। तू-तू, मैं-मैं से शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि पत्नी ने बेटों संग मिलकर पति की हत्या कर डाली। शराब के नशे में धुत पति को पत्नी और बेटों ने डंडे से बुरी तरह पीटा। वारदात के बाद एक बेटा मौके से फरार हो गया। जबकि पुलिस ने आरोपी पत्नी और दूसरे बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है।

सरकार बोली- देश में पेट्रोल-डीजल की कमी नहीं

- कीमतों में भी कोई बढ़ोतरी नहीं हुई
- घबराकर जरूरत से ज्यादा खरीदने से बचें

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि हमारे पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। देश में किसी भी पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। पेट्रोल पंपों को सप्लाई करने वाले टर्मिनलों पर भी पर्याप्त

स्टॉक मौजूद है।

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने दिल्ली में इंटर-मिनिस्ट्रियल ब्रीफिंग के दौरान लोगों से डर और घबराहट में पेट्रोल-डीजल की खरीदारी करने से बचने की अपील की। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया गया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

सुजाता शर्मा ने कहा- पैनिक बाइंग के कारण पिछले दो दिनों में कई जगहों पर पेट्रोल पंपों और रिटेल आउटलेट्स के बाहर लंबी कतारें देखी गई हैं। हम बताना चाहते हैं कि देश में कच्चे तेल का पर्याप्त स्टॉक है। हमारे पास सालाना करीब 26 करोड़ टन कच्चा तेल रिफाइन करने की क्षमता है।

ईरान के साथ इजराइल और अमेरिका की जंग का आज 26वां दिन है। जंग के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल और गैस सप्लाई की सप्लाई प्रभावित है। भारत अपनी जरूरत का 50% कच्चा तेल और 54% LNG इसी रास्ते से मंगाता है।

सरकार ने कहा- डिस्ट्रीब्यूटर के पास LPG की कोई कमी नहीं

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने आगे कहा- पिछले 25 दिनों में करीब 2.5 लाख नए PNG कनेक्शन दिए गए हैं। इसके अलावा लगभग 2.20 लाख उपभोक्ताओं ने LPG से PNG में शिफ्ट किया है। साथ ही करीब 2.5 लाख नए आवेदन या रजिस्ट्रेशन भी प्राप्त हुए हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय के मुताबिक, किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर पर LPG की भी कोई कमी नहीं है और ऑनलाइन बुकिंग अच्छी चल रही है। अब तक लगभग 26 राज्यों ने 22,000 टन कमर्शियल LPG का आवंटन किया है, जिसमें राज्य सरकारों और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों दोनों की आपूर्ति शामिल है।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि केरोसीन को वैकल्पिक ईंधन के रूप में केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को अतिरिक्त आवंटन दिया है और लगभग 16 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में इसके आदेश जारी किए जा चुके हैं।

सोनिया गांधी की तबियत बिगड़ी!

- बेटे राहुल गांधी ने टाला केरल दौरा; दिल्ली में रुके

नई दिल्ली. कांग्रेस की सीनियर नेता और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी की तबीयत स्थिर है। उन्हें मंगलवार की रात को ही सर गंगाराम अस्पताल में एडमिट कराया गया था। फिलहाल उनकी तबीयत स्थिर है और डॉक्टरों की निगरानी में वह स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं। बुधवार को सर गंगाराम अस्पताल की ओर से उनकी सेहत के बारे में मेडिकल बुलेटिन जारी किया गया। अस्पताल प्रशासन के

अनुसार उन्हें मंगलवार की रात को 10:22 बजे अस्पताल में एडमिट कराया गया था। गंगाराम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है और डॉक्टर उनकी सेहत की गहन निगरानी कर रहे हैं।

उन्हें पेट और यूरिनरी इंफेक्शन की शिकायत कही जा रही थी। फिलहाल डॉक्टर इसी की जांच कर रहे हैं। उन्हें इलाज के तौर पर एंटीबायोटिक्स दी जा रही हैं ताकि वे जल्दी ही इंफेक्शन से उबर जाएं। सूत्रों का कहना है कि शायद मौसम में बदलाव के चलते सोनिया गांधी की सेहत खराब हुई है। इसी के चलते उन्हें निगरानी में रखा जा रहा है। अब तक उनकी सेहत को लेकर कोई चिंता वाली बात नहीं दिखी है। वह स्थिर हैं और डॉक्टरों की निगरानी में हैं। इस बीच रायबरेली के सांसद और उनके बेटे राहुल गांधी मां की सेहत को देखते हुए दिल्ली में ही रुके हैं।

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को आज केरल में एक चुनावी दौरे पर जाना था। लेकिन उन्होंने केरल का दौरा रद्द कर दिया। उनके स्थान पर पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ही कोझिकोड रवाना हुए हैं। बीते साल जून में भी सोनिया गांधी को पेट से जुड़ी समस्या हो गई थी और उन्हें अस्पताल में एडमिट कराना पड़ा था। उन्हें अस्पताल के गैस्ट्रो डिपार्टमेंट में निगरानी में रखा गया था। उससे कुछ दिन पहले ही उन्हें हिमाचल प्रदेश के शिमला में स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में दाखिल कराया गया था।

ईरान बोला-अमेरिका के पास ताकत होती तो जीत चुका होता

- अपनी हार को समझौते का नाम नहीं दें
- उनके खोखले वादों का दौर खत्म हुआ

ईरान ने ट्रम्प के सीजफायर की कोशिशों का मजाक बनाया है। ईरान के एक सैन्य प्रवक्ता ने बुधवार को अमेरिका की सीजफायर के दावे को लेकर कहा कि अमेरिका खुद से ही बातचीत कर रहा है।

ईरानी सेना के खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इब्राहिम जोलफघारी ने यह बयान सरकारी टीवी पर प्रसारित एक रिकॉर्डेड वीडियो में दिया।

उन्होंने कहा, "आप जिस ताकत की बात करते थे, वह अब नाकामी में बदल गई है। आप खुद को दुनिया की महाशक्ति कहते हैं, लेकिन अगर यह ताकत आपके पास होती तो अब तक इस हालात से बाहर निकल चुके होते। अपनी हार को समझौते का नाम मत दीजिए। आपके खोखले वादों का दौर अब खत्म हो चुका है।"

जुबीन गर्ग की मौत महज हादसा

- कोई साजिश नहीं; सिंगापुर कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली. सिंगापुर की अदालत ने सिंगर जुबीन गर्ग की मौत को दुर्घटनावश डूबने का मामला करार दिया है। कोर्ट ने किसी भी साजिश से इनकार किया है। बुधवार को एक स्टेट कोरोनर ने सिंगापुर पुलिस कोस्ट गार्ड (पीसीजी) की इस जांच को सही ठहराया कि सिंगर जुबीन गर्ग की मौत में कोई साजिश नहीं थी। उन्होंने फैसला सुनाया कि पिछले साल सितंबर में इस शहर-राज्य के एक द्वीप के पास हुई उनकी मौत एक 'हादसे में डूबने' का मामला था। पीसीजी की इस जांच पर गर्ग की पत्नी द्वारा जताई गई चिंता का सीधा जवाब देते हुए, स्टेट कोरोनर एडम नखोदा ने कहा कि पीसीजी ने इस मामले में एक व्यापक और पूरी तरह से जांच की थी।

नखोदा ने पाया कि गर्ग की मौत महज एक दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद हादसे में डूबने के कारण हुई थी और किसी ने भी उन्हें जबरदस्ती, दबाव डालकर या धक्का देकर पानी में नहीं डाला था। चैनल न्यूज एशिया ने नखोदा के हवाले से बताया कि

इस बात का भी कोई सबूत नहीं मिला कि उन्हें बचाने वाले तैराकों ने जान-बूझकर उनका चेहरा पानी के नीचे दबाए रखा था। नखोदा ने बताया कि 52 वर्षीय गर्ग नशे में थे, और संभवतः इसी वजह से उनके फैसले लेने की क्षमता प्रभावित हुई। इसमें पहली बार तैरते समय उनका अपनी लाइफ जैकेट उतार देना, और दूसरी बार तैरते समय यॉट के कैप्टन और अन्य यात्रियों के बार-बार कहने के बावजूद उसे पहनने से पूरी तरह इनकार कर देना शामिल है। जुबीन गर्ग 19 सितंबर, 2025 को लाजरस आइलैंड के पास पानी में डूब गए थे। यह उस दिन से ठीक एक दिन पहले की बात है, जब उन्हें 'नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल' में प्रस्तुति देनी थी। जुबीन सिंगापुर और भारत के बीच राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक उत्सव में शामिल होने के लिए सिंगापुर आए थे। गायक की मृत्यु की खबर मिलते ही इस उत्सव को रद्द कर दिया गया।

ईरान नीति पर घर में घिरे ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान नीति पर घर में ही घिरते नजर आ रहे हैं। 59% अमेरिकियों का मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप ईरान मामले पर हद पार कर गए हैं। वहीं ईरानी सेना ने दावा किया है कि अमेरिकी युद्धपोत अब्राहम लिंकन पर क्रूज मिसाइलें दागी हैं। ईरानी मीडिया ने इस हमले का वीडियो भी जारी किया है, जिसमें मिसाइलें समुद्र की ओर बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। चेतावनी भी दी है कि जब भी यह स्ट्राइक ग्रुप उनके रेंज में आएगा तो और मिसाइलें दागी जाएंगी। मिडिल ईस्ट में अमेरिका-ईरान तनाव चरम पर पहुंच गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को जारी रखे हुए हैं.

32 संशोधनों के साथ लोकसभा ने पारित किया वित्त विधेयक 2026

नई दिल्ली. लोकसभा ने लंबी चर्चा के बाद बुधवार (25 मार्च) को वित्त विधेयक 2026 को 32 सरकारी संशोधनों के साथ पारित कर दिया। इससे केंद्र सरकार की बजटीय प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण पूरा हो गया है। अब यह विधेयक राज्यसभा में जाएगा। वहां से मंजूरी मिलने के बाद वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पूरी तरह लागू हो जाएगा। केंद्रीय बजट 2026-27 में कुल 53.47 लाख करोड़ रुपये के व्यय का अनुमान है, जो 31 मार्च को समाप्त हो रहे मौजूदा वित्त वर्ष की तुलना में 7.7 प्रतिशत

अधिक है। अगले वित्त वर्ष के लिए प्रस्तावित कुल पूंजीगत व्यय 12.2 लाख करोड़ रुपये है। इसमें 44.04 लाख करोड़ रुपये के सकल कर राजस्व संग्रह और 17.2 लाख करोड़ रुपये की सकल उधारी का प्रस्ताव है। वित्त वर्ष 27 के लिए राजकोषीय घाटा GDP के 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो मौजूदा वित्त वर्ष के 4.4 प्रतिशत से कम है।

इस बजट से संकेत मिलते हैं कि सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास पर खर्च बढ़ा रही है और राजकोषीय घाटा नियंत्रित रखने की कोशिश कर रही है। हालांकि, उधारी का स्तर अभी भी ऊंचा है, लेकिन यह प्रबंधन के दायरे में है। बता दें कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी 2026 को लोकसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए केंद्रीय बजट पेश किया था। यह उनका लगातार नौवां बजट भाषण था।

अकबर रोड-रायसीना हिल्स का दफ्तर खाली करें

- 28 मार्च तक का वक्त

नई दिल्ली. कांग्रेस पार्टी को 24 अकबर रोड वाला दफ्तर 28 मार्च तक खाली करना होगा। एस्टेट डिपार्टमेंट ने पार्टी को नोटिस दिया है। न्यूज एजेंसी ANI ने कांग्रेस सूत्रों के हवाले से कहा है कि दफ्तर खाली करने के लिए 3 दिन का समय दिया गया है।

हालांकि, कांग्रेस का हेडक्वॉर्टर पहले ही यहां से इंदिरा भवन शिफ्ट हो चुका है। पार्टी इस बंगले को खाली नहीं करना चाहती है। उधर, एस्टेट डिपार्टमेंट ने कांग्रेस के 5 रायसीना हिल्स रोड स्थित इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) के कार्यालय के लिए भी एक और नोटिस जारी किया है। कुछ रिपोर्ट्स का कहना है कि कांग्रेस, सरकार के इस रवैए के खिलाफ कोर्ट में अपील करेगी। कांग्रेस का आरोप है कि 1 अशोक रोड या पंत मार्ग वाले BJP के दफ्तर भी खाली नहीं करवाए गए हैं। कांग्रेस ने 14 जनवरी 2025 को ही अकबर रोड वाले ऑफिस से अपना दफ्तर इंदिरा भवन में शिफ्ट किया है। 46 साल बाद पार्टी ने अपना पता बदला था। इंदिरा भवन की आधारशिला 2009 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी ने रखी थी। इसे बनने में 252 करोड़ रुपए लगे।

बर्मा हाउस बना कांग्रेस का लकी चार्म

70 के दशक में कांग्रेस का ऑफिस डॉ. राजेंद्र प्रसाद रोड पर था। इसका एड्रेस 3, रायसीना रोड था। इसके ठीक सामने 6, रायसीना रोड पर अटल बिहारी वाजपेयी रहा करते थे।

बंगाल में पूजा के लिए लानी पड़ती है हाईकोर्ट की परमिशन

- नितिन नवीन का ममता पर निशाना

कोलकाता. भाजपा में चुनाव की घोषणा होने के बाद से ही राजनीतिक पारा चढ़ने लगा है। बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बंगाल पहुंचकर ममता बनर्जी की तृणमूल सरकार पर निशाना साधा है। राज्य सरकार पर धार्मिक मामलों में दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए नितिन नवीन ने कहा है कि बंगाल में लोगों को नमाज पढ़ने की खुली छूट है, लेकिन पूजा पंडाल लगाने के लिए हाईकोर्ट जाने के लिए मजबूर किया जाता है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

नवीन ने कोलकाता के बाहरी इलाके में स्थित दक्षिणेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद पत्रकारों से कहा, ₹मां के दरबार में आशीर्वाद प्राप्त किया है। मां काली हम सबको आशीर्वाद दें।" उन्होंने आगे कहा, "जिस पश्चिम बंगाल को इसकी सांस्कृतिक विरासत के

लिए जाना जाता है, आज उसी पश्चिम बंगाल में ऐसे तत्व हैं जो हमारी संस्कृति को चोट करते हैं।"

नितिन नवीन ने कहा, "यहां नमाज पढ़ने की इजाजत मिलती है, लेकिन मां का पंडाल लगाने के लिए अनुमति हाईकोर्ट से लानी पड़ती है। यह दुर्भाग्य है। मां से पश्चिम बंगाल को एक विकसित बंगाल बनाने का आशीर्वाद मांगा है।"

नितिन नवीन ने संभाली कमान

गौरतलब है कि नितिन नवीन का पश्चिम बंगाल दौरा आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों का हिस्सा है। इससे पहले नितिन नवीन ने पार्टी की तैयारियों को और मजबूत करने के लिए मंगलवार को यहां कई संगठनात्मक और रणनीतिक बैठकें कीं। भाजपा की राज्य इकाई के सूत्रों ने बताया कि मंगलवार से शुरू हुई नवीन की दो दिवसीय बंगाल यात्रा महज एक नियमित संगठनात्मक समीक्षा के लिए नहीं है, बल्कि राज्य में भाजपा की चुनाव प्रचार रणनीति को नया रूप देने के लिए पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा किए जा रहे व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

इस साल होगा IPL का सबसे बड़ा सीजन

- 84 मैच खेले जाएंगे
- हर टीम 16 मुकाबले खेलेगी
- 28 मार्च को शुरुआत

इंडियन प्रीमियर लीग का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है। फाइनल 31 मई को खेला जाएगा। यह IPL का अब तक का सबसे बड़ा सीजन होगा, जिसमें 10 टीमों के बीच 84 मैच खेले जाएंगे। ओपनिंग मैच डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा।

अप्रैल-मई के दौरान पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसमें IPL मैच होस्ट करने वाले राज्य बंगाल, तमिलनाडु और असम भी शामिल हैं। इसी वजह से 28 मार्च से 12 अप्रैल तक होने वाले 20 मैचों का ही शेड्यूल जारी किया गया।

कितनी टीमें खेलेंगी?

लीग में कुल 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद, लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस शामिल हैं।

प्लेऑफ कब से होंगे?

अभी पूरा शेड्यूल जारी नहीं हुआ है, लेकिन BCCI ने इतनी जानकारी दे दी है कि फाइनल 31 मई को बेंगलुरु में खेला जाएगा। इस हिसाब से 26 मई को पहला क्वालिफायर, 27 मई को एलिमिनेटर और 29 मई को दूसरा क्वालिफायर खेला जा सकता है।

कितने ग्राउंड्स पर मैच होंगे

IPL 2026 के मुकाबले इस बार भारत के 13 अलग-अलग शहरों में खेले जाएंगे। 10 टीमों में 7 ने 1-1 होमग्रउंड चुना, वहीं बेंगलुरु, पंजाब और राजस्थान के पास 2-2 होमग्राउंड हैं।

रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में 13 साल बाद कोई IPL मैच खेला जाएगा। RCB ने इसे अपना सेकेंड होम वेन्यू बनाया है। रायपुर स्टेडियम में आखिरी बार 2013 में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मैच हुआ था।

PNG पाइपलाइन है तो कनेक्शन लेना ही होगा

- कंपनी 3 महीने का नोटिस देगी
- कनेक्शन नहीं लिया तो LPG सप्लाई बंद होगी

नई दिल्ली. अगर आपके घर के पास गैस पाइपलाइन आ गई है और आपने PNG कनेक्शन नहीं लिया है, तो अगले 3 महीने में आपके घर आने वाला LPG सिलेंडर बंद कर दिया जाएगा। मिडिल-ईस्ट में जारी युद्ध और गैस की किल्लत को देखते हुए केंद्र सरकार ने 'नेचुरल गैस और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूशन ऑर्डर 2026' लागू किया है।

इसके तहत अब पाइप वाली गैस (PNG) का कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। हालांकि, इसके लिए पहले नोटिस दिया जाएगा। सूचना मिलने के बाद भी अगर कोई कनेक्शन नहीं लेता, तो 90 दिन बाद उसकी LPG सप्लाई रोक दी जाएगी। साथ ही सोसाइटियों को 3 दिन में पाइपलाइन की मंजूरी भी देनी होगी।

- नए नियम की 4 बड़ी बातें

1. सोसाइटी को 3 दिन के अंदर मंजूरी देनी होगी

कई बार हाउसिंग सोसायटियों या RWA (रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) के विरोध की वजह से पाइपलाइन का काम रुक जाता था। अब ऐसा नहीं होगा। अगर कोई कंपनी पाइपलाइन के लिए रास्ता मांगती है, तो सोसाइटी को 3 दिन के अंदर मंजूरी देनी होगी।

अगर सोसाइटी ने मना किया या देरी की, तो वहां रहने वाले सभी घरों की LPG सप्लाई पर रोक लगाई जाएगी।

2. छोटे इलाकों को 10 दिन में मंजूरी मिलेगी

पाइपलाइन बिछाने के लिए अब सरकारी विभागों को फाइलों को अटकाने की इजाजत नहीं है। छोटे नेटवर्क के लिए 10 दिन और बड़ी लाइनों के लिए 60 दिन में मंजूरी देना अनिवार्य है। अगर विभाग तय समय में जवाब नहीं देता, तो उसे 'डीम्ड क्लियरेंस' यानी 'ऑटोमैटिक मंजूरी' मान लिया जाएगा और काम शुरू कर दिया जाएगा।

3. पाइपलाइन के लिए जमीन मालिक को दोगुना मुआवजा

अगर पाइपलाइन किसी की निजी जमीन से गुजर रही है, तो अब मुआवजे को लेकर सालों तक केस नहीं चलेंगे। सरकार ने इसके लिए एक फिक्स फॉर्मूला बना दिया है:

जमीन के कमर्शियल सर्किल रेट का 30% हिस्सा मालिक को मुआवजे के तौर पर दिया जाएगा।

जमीन मालिक अगर आवेदन मिलने के 24 घंटे में मंजूरी दे देता है, तो उसे दोगुना यानी 60% मुआवजा मिलेगा। अगर जमीन मालिक मंजूरी नहीं देता है, तो 'डेजिग्नेटेड अथॉरिटी' (कलेक्टर या अन्य अधिकारी) फैसला लेंगे।

4. क्या यह आपकी सुरक्षा और बचत के लिए है?

सरकार ने नया आदेश 'आवश्यक वस्तु अधिनियम' के तहत जारी किया है, ताकि युद्ध जैसे हालात में भी आपको रसोई गैस की कमी न पड़े।

फायदा: आपको सिलेंडर बुकिंग या खत्म होने की टेंशन नहीं रहेगी।

नुकसान: जो लोग अपनी मर्जी से सिलेंडर इस्तेमाल करना चाहते हैं, उनके पास अब विकल्प सीमित हो जाएंगे।

PNG सप्लाई के 4 नए नियम

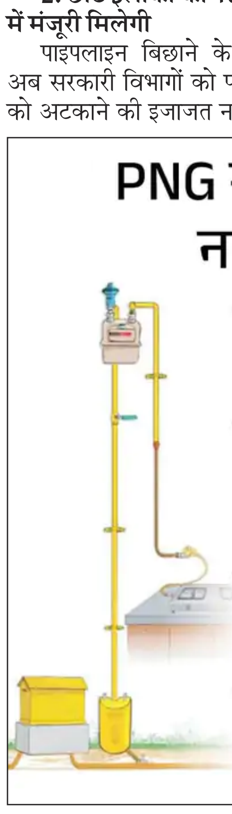

- अब एक घर में PNG (पाइप गैस) और LPG (सिलेंडर) दोनों कनेक्शन रखना गैर-कानूनी होगा।
- जिनके पास PNG कनेक्शन एक्टिव है, वे अब अपने LPG सिलेंडर की रिफिलिंग (बुकिंग) नहीं करा सकेंगे।
- जिनके पास दोनों सुविधाएं हैं, उन्हें अपना घरेलू LPG कनेक्शन विभाग को तुरंत सरेंडर करना होगा।
- पाइप गैस (PNG) वाले उपभोक्ता अब नए घरेलू LPG कनेक्शन के लिए आवेदन नहीं कर पाएंगे।

PNG कनेक्शन वालों को नहीं मिलेगा LPG सिलेंडर

सरकार ने 14 मार्च को ही PNG कनेक्शन को लेकर नए नियम जारी किए थे। इसके तहत अगर आपके घर में पाइप्ड नेचुरल गैस (PNG) कनेक्शन है, तो अब आपको अपना LPG सिलेंडर को सरेंडर करना होगा। नए आदेश के मुताबिक, PNG यूजर्स को न तो नया LPG कनेक्शन मिलेगा और न ही पुराना सिलेंडर रिफिल होगा। सरकार इससे पहले LPG सिलेंडर की सप्लाई को लेकर 4 बार नए नियम जारी कर चुकी है।

ईरान में छिड़ी जंग से तेल और गैस का संकट

- भारत से ज्यादा परेशान अन्य मुल्क

नई दिल्ली. ईरान में अमेरिका और इजरायल की ओर से ताबड़तोड़ हमले हो रहे हैं। ईरान के तेल कुएं हों या फिर गैस फील्ड, सभी को अमेरिका और इजरायल ने टारगेट किया है। वहीं ईरान ने भी संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर और बहरीन समेत कई ऐसे देशों पर हमले किए हैं, जहां से बड़ी संख्या में तेल और गैस की सप्लाई दुनिया भर में की जाती है। इस जंग ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को भी बाधित किया है, जहां से दुनिया का करीब 20 फीसदी तेल कारोबार होता है। इसके चलते भारत समेत कई देशों में तेल और गैस का संकट पैदा हो गया है। हालांकि अब भी भारत के मुकाबले कई ऐसे देश हैं, जहां इस संकट का असर ज्यादा दिख रहा है।

इसकी वजह है कि भारत ने अपनी तेल की जरूरतों को डाइवर्सिफाई किया है। वहीं पाकिस्तान, जापान, थाईलैंड और कोरिया जैसे देशों को ज्यादा परेशानी है। एक रिपोर्ट के अनुसार खाड़ी देशों से अपनी जरूरत का सबसे ज्यादा तेल आयात पाकिस्तान करता है। इसके बाद दूसरा नंबर जापान, तीसरा थाईलैंड और चौथा साउथ कोरिया का है। इसके बाद 5वां नंबर भारत का आता है। साफ है कि ईरान में चल रही जंग से भारत के मुकाबले कहीं ज्यादा परेशान पाकिस्तान है। इस संकट के चलते एक तरफ सप्लाई पर असर पड़ा है तो वहीं कच्चे तेल के दाम भी 100 डॉलर के ऊपर लगातार बने हुए हैं।

भारत के बाद अपनी जरूरत का सबसे ज्यादा तेल आयात करने वाले देशों में मालदीव, ताइवान, चीन, श्रीलंका, मलयेशिया, सिंगापुर और फिलीपींस हैं। पाकिस्तान ने तो अपने स्कूलों, दफ्तरों आदि को लेकर भी पाबंदियां लगाई हैं और लोगों को घरों में ही रहने के लिए प्रोत्साहित किया है। स्पष्ट है कि यह संकट उसे ज्यादा परेशान कर रहा है। अब भारत की बात करें तो वह अपनी जरूरत का करीब 40 फीसदी तेल मिडल ईस्ट के देशों से आयात करता है।

संक्षेप...

बंद कंटेनर में लगी आग, सामान जलकर राख

मुंब्रा. बंद कंटेनर केबिन में अचानक आग लगने के कारण उसमें रखा सामान जलकर राख हो गया. इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है. आपत्ति व्यवस्था कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना बुधवार की है. दिवा- शील के दोस्ती कंपाउंड स्थित दोस्ती नार्थ प्लेनेट के पास खाली जगह में एक केबिन कंटेनर रखा हुआ था. जिसमें आग लगने की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड के जवान 1 रेस्क्यू वाहन व 1 फायर वाहन के साथ मौके पर पहुंचे। जवानों ने लगी आग पर काबू पाया। आग की घटना में सामान जलकर राख हो गया.

ठाणे ज़िला परिषद के बजट में पूरे ग्रामीण विकास पर जोर

- **ठाणे ज़िला परिषद ने 2026-27 का बजट पेश किया**
- **डिजिटल ट्रांसपेरेंसी और सोशल एम्पावरमेंट को तेज़ करेगा**

ठाणे. ज़िला परिषद का साल 2025-26 का रिवाइज़्ड बजट और फ़ाइनेंशियल साल 2026-27 का ओरिजिनल बजट आज, बुधवार, 25 मार्च, 2026 को सुबह 11 बजे बी. जे. हाई स्कूल के ऑडिटोरियम में पेश किया गया। ज़िला परिषद के चीफ़ अकाउंट्स और फ़ाइनेंस ऑफ़िसर वैजनाथ बुरडकर ने एडमिनिस्ट्रेटर और चीफ़ एग्ज़ीक्यूटिव ऑफ़िसर रंजीत यादव को बजट की एक कॉपी सौंपी। ठाणे ज़िला परिषद राज्य में शहरी और ग्रामीण कल्चर के बीच बैलेंस बनाते हुए डेवलपमेंट के मामले में एक लीडिंग इंस्टीट्यूशन के तौर पर जानी जाती है। मुझे ऐसी ज़िला परिषद का साल 2025-26 का रिवाइज़्ड बजट और साल 2026-27 का ओरिजिनल बजट पेश करते हुए गर्व हो रहा है। इस बजट में ग्रामीण डेवलपमेंट के हर पहलू को ध्यान में रखते हुए कंस्ट्रक्टिव और इफेक्टिव प्लानिंग की गई है। पंचायत एम्पावरमेंट, ग्रामीण हेल्थ, एजुकेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और अलग-अलग सेंट्रल और स्टेट स्पॉन्सर्ड स्कीम्स को इफेक्टिव तरीके से लागू करने की वजह से

ठाणे ज़िला परिषद ने राज्य लेवल पर एक सम्मान की जगह बनाई है।यह बजट सिर्फ़ फंड एलोकेशन का डॉक्यूमेंट नहीं है, बल्कि ग्रामीण इलाकों के हर नागरिक को काबिल, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने का एक संकल्प है। यह बजट कॉम्प्रिहेंसिव ग्रामीण डेवलपमेंट, क्वालिटी एजुकेशन और हेल्थ केयर, वॉटर सिक्योरिटी और सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, सोशल एम्पावरमेंट और डिजिटल ट्रांसपेरेंट एडमिनिस्ट्रेशन के पाँच खास प्रिंसिपल्स के आधार पर तैयार किया गया है। हम ई-गवर्नेंस और डिजिटल इनिशिएटिव्स के ज़रिए एडमिनिस्ट्रेशन को ज़्यादा ट्रांसपेरेंट, डायनामिक और लोगों को ध्यान में रखकर बनाने की कोशिश करेंगे। इसके ज़रिए, ठाणे ज़िला चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर रंजीत यादव ने कहा, ओवरऑल और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को निश्चित रूप से एक नई दिशा मिलेगी। ठाणे जिला परिषद के साल 2026-27 के बजट में अलग-अलग डिपार्टमेंट के लिए काफी प्रोविजन किए गए हैं और डेवलपमेंट को प्रायोरिटी दी गई है। जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के लिए 1.15 करोड़ रुपये और मिसलेनियस जनरल एडमिनिस्ट्रेशन के लिए 2.61 करोड़ रुपये रिजर्व किए गए हैं। एजुकेशन डिपार्टमेंट के लिए 11.36 करोड़ रुपये और प्राइमरी स्कूलों की मरम्मत के लिए 2.08 करोड़ रुपये दिए गए हैं। सबसे ज्यादा 19.87 करोड़ रुपये का फंड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट को रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए दिया गया है। माइनर इरिगेशन और वाटर कंजर्वेशन डिपार्टमेंट के लिए 2.48 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जबकि हेल्थ डिपार्टमेंट के लिए 3.78 करोड़ रुपये दिए गए हैं। रूरल वाटर सप्लाई डिपार्टमेंट के लिए 2 करोड़ रुपये प्रपोज किए गए हैं। एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट के लिए 3.74 करोड़ रुपये और एनिमल हसबैंड्री डिपार्टमेंट के लिए 3.72 करोड़ रुपये दिए गए हैं। सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट के लिए 9.79 करोड़ रुपये दिए गए हैं। और दिव्यांगों के कल्याण के लिए 1.8 करोड़ रुपये दिए गए हैं। 3.05 करोड़ रुपये रिज़र्व किए गए हैं। महिला और बाल कल्याण विभाग के लिए 4.89 करोड़ रुपये, ग्राम पंचायत विभाग के लिए स्टाम्प ड्यूटी बांटने के लिए 37.50 करोड़ रुपये और मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान के लिए 3.65 करोड़ रुपये दिए गए हैं। साथ ही, फाइनेंस विभाग के लिए अलग-अलग एडमिनिस्ट्रेटिव मामलों के लिए करीब 0.67 करोड़ रुपये रिज़र्व किए गए हैं। इस तरह, इस बजट के ज़रिए सभी विभागों को बैलेंस्ड फंड बांटकर चौतरफा विकास करने की कोशिश की गई है, ऐसा ज़िला परिषद के चीफ अकाउंट्स और फाइनेंस ऑफिसर वैजनाथ बुरडकर ने बताया।

गांव के लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए शिविर ज़रूरी -अमित सानप

अंबाड़ी नाका में 'छत्रपती शिवाजी महाराज महसूल समाधान शिविर आयोजित

- **2166 सर्टिफिकेट बांटे गए**

भिवंडी. 'छत्रपती शिवाजी महाराज महसूल समाधान शिविर' भिवंडी तालुका के अंबाड़ी नाका में संत ज्ञानेश्वर मंदिर इलाके में जोश के साथ लगा. उक्त मौके पर यह साफ किया गया कि इस पहल का मुख्य मकसद अंबाड़ी मंडल समेत गांव के लोगों की अलग-अलग समस्याओं को तुरंत हल करना और सरकारी सेवाएं उनके घर तक पहुंचाना है.

कैंप के मौके पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भिवंडी उप विभागीय और कार्यकारी दंडाधिकारी (प्रांताधिकारी) अमित सानप ने कहा कि गांव और दूर-दराज के इलाकों के लोगों के अलग-अलग कामों को समय पर

हल करने के लिए तालुका में विभागवार कैंप लगाना बहुत ज़रूरी है उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसे और कैंप लगाने की कोशिश की जाएगी.

कैंप में नागरिकों को रेवेन्यू डिपार्टमेंट की अलग-अलग सेवाओं का बड़ी संख्या में फ़ायदा दिया गया.इसमें बदलाव के 34 मामले, 7/12 संशोधन (धारा 155) 20, डिजिटल 7/12 आवंटन 1116, 8 A एक्सट्रैक्ट 483, सिंगल विंडो सिस्टम के तहत आवेदन 9, इनकम सर्टिफ़िकेट 83, डोमिसाइल सर्टिफ़िकेट 21, जाति सर्टिफ़िकेट 26, गैर-आपराधिक सर्टिफ़िकेट 13, सीनियर सिटिज़न सर्टिफ़िकेट 2, आधार कार्ड रजिस्ट्रेशन और सुधार 27, नए राशन कार्ड 49, संजय गांधी निराधार अनुदान योजना 41, श्रवण बाल सेवा राज्य पेंशन योजना 26, आयुष्मान भारत कार्ड 30 और दूसरी कई योजनाओं के तहत 186 मामलों का समाधान किया गया. कैंप में ऐसे कुल 2166 सर्टिफ़िकेट सीधे बांटे गए.उप विभागीय अधिकारी अमित सानप, तहसीलदार अभिजीत खोले, डिप्टी तहसीलदार आदेश म्हात्रे, मंडल ऑफिसर रघुनाथ भुरकुड, तलाठी पंकज दिनकर के साथ-साथ अंबाडी मंडल के सभी तलाठियों और कर्मचारियों ने कैंप के सफल आयोजन के लिए कड़ी मेहनत की.अधिकारियों के अनुसार, नागरिक 'छत्रपती शिवाजी महाराज महसूल समाधान शिबीर' का दिल से स्वागत और आभार व्यक्त कर रहे हैं क्योंकि ऐसे कैंप ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों के नागरिकों को सरकारी सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराते हैं.

चाकू घोंपकर चेन लूटकर हुए फरार

नवी मुंबई. नवी मुंबई के ऐरोली में एक सोने की चेन चोर ने चेन चुराते समय एक महिला पर हमला किया और विरोध करने के बाद भी सोने की चेन छीन ली.

मिली जानकारी के अनुसार ठाणे में काम करने वाली 53 साल की निर्मला पवार सेक्टर 2 से पैदल जा रही थी, उस समय घात लगाए बैठे चोरों ने देखा कि उनके आस-पास कोई नहीं है. लूटेरे एक टू-व्हीलर पर उनके पास आए और चेन छीनने की कोशिश की, लेकिन जब उन्हें लगा महिला विरोध कर रही है, तो दो चोरों में से एक ने चाकू निकाला और महिला दो बार वार किया. जब उसने सीने पर हाथ रखकर हमले को रोकने की कोशिश की, तो उसके दाहिने हाथ और बाएं हाथ में चोट लग गई. इसी खींचतान में चोरों ने महिला के गले से 5 ग्राम वजन का सोने का हार जिसकी कीमत 65,000 रुपये है, 7,000 रुपये कैश वाला बैग, कुल 72,500 रुपये लूट लिए. इस घटना के बाद पवार ने पहले चोटों का इलाज कराया और फिर पुलिस स्टेशन आकर शिकायत दर्ज कराई.

गुटनेता पद नहीं मिलने से कांग्रेस नगरसेविका नाराज

पार्टी ने आश्वासन देकर भी नहीं दिया पद-समीना सलीम शेख

पार्टी के आदेश पर बनी गुटनेता-कांचन कुलकर्णी

इस विषय में कांग्रेस की गुटनेता कांचन कुलकर्णी का कहना है कि वरिष्ठ नेताओं के आदेश पर मैंने गुटनेता का पदभार संभाला है। कुलकर्णी ने कहा कि विस विषय में समीना शेख से चर्चा कर उनकी नाराज़गी दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

कल्याण. डोंबिवली महानगरपालिका में गुटनेता पद को लेकर कांग्रेस पार्टी की दो नगरसेविका आमने-सामने आई गई हैं। कांचन कुलकर्णी को गुटनेता पद मिलने से नगरसेविका समीना सलीम शेख ने नाराज़गी जाहिर की है। आगामी 15 दिनों में पार्टी ने अपना निर्णय नहीं बदला तो कांग्रेस पार्टी छोड़ने के संकेत नगरसेविका समीना शेख ने दिए है। ज्ञात हो कि बीते दिनों हुए कल्याण-डोंबिवली महापालिका के आमचुनाव में पैनल नंबर 8 से कांग्रेस की कांचन कुलकर्णी और समीना सलीम शेख ने जीत हासिल की है। कांग्रेस के दो ही नगरसेवक चुनकर आने के बाद केडीएमसी में गुटनेता पद किसे मिलेगा इसे लेकर असमंजस था। आखिर पार्टी ने कांचन कुलकर्णी को गुटनेता बनाया, जिससे समीना शेख नाराज़ हो गई। शेख का कहना है कि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें गुटनेता पद का आश्वासन दिया था। शेख ने आरोप लगाया कि पार्टी ने मेरे साथ अन्याय किया है। एक सवाल के जवाब में शेख ने कहा कि यदि वरिष्ठों ने इस मामले का संज्ञान नहीं लिया तो 15 दिन बाद वे अपनी भूमिका स्पष्ट करेंगी। समीना शेख के इस बयान से कल्याण कांग्रेस का अंतर्गत विवाद फिर एक बार सामने आया है।

ठाणे स्टेशन पर व्यापारी का 1.76 लाख का सामान चोरी

ठाणे. ठाणे रेलवे पुलिस ने बताया कि अहिल्यानगर जिले के राहुरी के रहने वाले प्रसाद गाड़े (46) नाम के एक व्यापारी, जो व्यापार के लिए वाशी बाजार आए थे, अपने गांव जाने के लिए ठाणे रेलवे स्टेशन पहुंचे और एक अज्ञात चोर ने उन्हें लूट लिया। यह घटना 25 मार्च की है। ठाणे रेलवे पुलिस स्टेशन में अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।अहिल्यानगर जिले के राहुरी के रहने वाले 46 साल के गाड़े भूसा बेचने का व्यापार करते हैं। वह 24 मार्च को इमली का व्यापार करने वाशी बाजार आए थे। व्यापार पूरा करने के बाद, उन्होंने व्यापारियों से बचा हुआ कैश लिया और अपने बैग में रख लिया। इसके बाद, वह 25 मार्च को सुबह करीब 12.30 बजे अपने गांव जाने के लिए ठाणे रेलवे स्टेशन पहुंचे। प्लेटफॉर्म नंबर 3 के बीच में बैठकर आराम करते समय उन्हें नींद आ गई। जब वह सुबह करीब 2.30 बजे उठे तो उन्होंने देखा कि उनका बैग गायब है। चोरी हुए बैग में करीब 1 लाख 76 हजार रुपये कैश और करीब 1,000 रुपये कीमत का एक काला बैग था।

ठाणे में 4 करोड़ की MD ड्रग्स के साथ 3 गिरफ्तार

ठाणे एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड की कार्रवाई 28 मार्च तक पुलिस कस्टडी में भेजा गया

ठाणे. क्राइम ब्रांच एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड के एक ऑपरेशन में, पुलिस टीम ने 23 मार्च 2026 को मिली गोपनीय जानकारी के आधार पर ठाणे के चरई इलाके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से बेचने के लिए लाए गए 4 करोड़ 12 लाख 40 हजार रुपये की कीमत का MD पाउडर बरामद किया। पुलिस ने ड्रग्स के साथ सोहेल दिलीप खान (26), रोहित विलास सीतापुरे (21) और राजेश

हदावले (23) को गिरफ्तार किया और उन्हें ठाणे कोर्ट ले गई, जिसने तीनों आरोपियों को 28 मार्च, 2026 तक पुलिस कस्टडी में रखने का आदेश दिया।

ठाणे पुलिस ने ठाणे पुलिस आयुक्त द्वारा ठाणे को ठाणे आयुक्तालय की सीमा से ड्रग-फ्री बनाने के दिए गए आदेश को लागू कर दिया है। ठाणे पुलिस बल ने कई छापे मारे हैं और पुलिस ने कई तस्करों और विक्रेताओं को गिरफ्तार किया है। नाकाबंदी की गई है। इसके अलावा, नशा करने वालों के खिलाफ धड़क मोफिम भी लागू किया गया है और हजारों मामले दर्ज किए गए हैं और नशा करने वालों को गिरफ्तार किया गया है।

ठाणे एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड के प्रमुख गिरीश पाटिल द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार, 23 मार्च को शाम 7 बजे के आसपास, एक पुलिस टीम ने एमटीएनएल चरई में जाल बिछाया और सोहेल दिलीप खान (26) निवासी कोपरी, ठाणे और रोहित विलास सीतापुरे (21) निवासी गायकवाड़ पाडा नंबर 2, उल्हासनगर से बिक्री के लिए लाया गया 1 किलो 56 ग्राम एमडी जब्त किया। दोनों आरोपियों के खिलाफ नौपाड़ा पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज किया गया और उनसे आगे की पूछताछ के दौरान, उनके पिछले रिकॉर्ड के आधार पर, कोपरी के निवासी राजेश हडावले (23) को भी गिरफ्तार किया गया। तीनों आरोपियों को ठाणे कोर्ट ले जाया गया तो उन्हें 28 मार्च तक पुलिस कस्टडी में रखने का आदेश दिया गया। पुलिस टीम जांच कर रही है कि आरोपी करोड़ों की MD किससे लाए थे और किसे बेचने वाले थे।

ठाणे पुलिस की ठाणे निवासियों से अपील

नशीले पदार्थों की बिक्री, स्टोरेज, ट्रांसपोर्टेशन, इस्तेमाल एक अपराध है और अगर इसमें शामिल लोगों के बारे में कोई जानकारी है तो उसे एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड, क्राइम ब्रांच, ठाणे शहर को दिया जाए। जानकारी देने वाले लोगों के नाम गोपनीय रखे जाएंगे। ठाणे पुलिस ने ठाणे को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

मेगा ब्लॉक सफल

मुंबई. मध्य रेलवे ने 21 व 22 मार्च को ठाणे और डोंबिवली स्टेशनों पर 15-कोच लोकल ट्रेनों के संचालन के लिए आवश्यक प्लेटफॉर्म विस्तार कार्यों को पूरा करने के लिए 10 घंटे का विशेष ट्रैफिक और पावर ब्लॉक सफलतापूर्वक संपन्न किया.

सेलिना जेटली बोलीं- महीनों से बेटों की आवाज नहीं सुनी

- **बच्चों के 14वें बर्थडे पर इमोशनल पोस्ट की**
- **पति पर लगा चुकीं टॉर्चर के गंभीर आरोप**

बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली इस वक्त अपनी जिंदगी के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। एक तरफ जहां वे पति पीटर हाग से तलाक और बच्चों की कस्टडी के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं, वहीं उनके भाई भी यूएई सरकार की हिरासत में हैं।

इस तनाव के बीच सेलिना

अपने जुड़वां बेटों को याद कर भावुक हो गईं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर कर बताया कि वे महीनों से अपने बच्चों की आवाज तक नहीं सुन पाई हैं।

सेलिना के जुड़वां बेटों विंस्टन और विराज का 14वां जन्मदिन है, लेकिन एक्ट्रेस उनसे कोसों दूर हैं। इंस्टाग्राम पर बच्चों के साथ पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, मेरे प्यारे विंस्टन और विराज, जन्मदिन की शुभकामनाएं। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं तुम्हारे पास नहीं रह पाऊंगी। इतने महीनों से तुम्हारी आवाज नहीं सुनी और न चेहरा देख पाई हूं। एक मां अपने बच्चों को पालने के लिए बहुत कुछ सहती है, आज मैं उस दर्द को अपनी हर सांस में महसूस कर रही हूं।

पति पर लगाए गंभीर आरोप

सेलिना और उनके पति पीटर हाग के बीच विवाद काफी गहरा चुका है। कुछ महीने पहले भारत लौटने के बाद सेलिना ने मुंबई की एक अदालत में पीटर के खिलाफ घरेलू हिंसा और मारपीट का केस दर्ज कराया था। एक्ट्रेस ने पति पर फिजिकल, सेक्शुअल और इमोशनल एब्यूज के संगीन आरोप लगाए हैं।

प्रॉपर्टी टैक्स पेनल्टी ब्याज पर 90% छूट

- **स्कीम 31 मार्च तक बढ़ाई गई; यह छूट नॉन-रेसिडेंट प्रॉपर्टीज़ पर भी लागू होगी**
- **महापौर और आयुक्त ने लोगों से फ़ायदा उठाने की अपील की**

ठाणे. मनपा क्षेत्र के अंतर्गत में टैक्सपेयर्स के लिए रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी टैक्स पेनल्टी पर 90 परसेंट छूट देने की स्कीम को लोगों से तुरंत रिस्पॉन्स मिला है और इस स्कीम को 31 मार्च 2026 तक बढ़ाते हुए, मेयर शर्मिला पिंपलोलकर और आयुक्त सौरभ राव ने नॉन-रेसिडेंट प्रॉपर्टी ओनर्स को भी छूट देने का फ़ैसला किया है। रेजिडेंशियल/नॉन-रेसिडेंट प्रॉपर्टी ओनर्स से भी इस स्कीम का फ़ायदा उठाने की अपील की गई है।ठाणे मनपा क्षेत्र के निवासी करदाताओं के लिए बकाया संपत्ति कर और उन पर चालू वर्ष के कर के लिए लगाए गए जुर्माने का 10 प्रतिशत मनपा में जमा करने की समयसीमा 25 मार्च, 2026 तय की गई थी। इस योजना के प्रति करदाताओं की सहज प्रतिक्रिया को देखते हुए, महापौर शर्मिला पिंपलोलकर ने इस योजना की समयसीमा 31 मार्च तक बढ़ाने का फैसला किया है और करदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। यह योजना गैर-निवासी संपत्ति मालिकों के लिए भी लागू की गई है।मनपा क्षेत्र के ऐसे निवासी/गैर-निवासी करदाताओं को कराधान नियम 41 (1) के तहत उनके बकाया संपत्ति कर पर लगाए गए जुर्माने में 90 प्रतिशत की रियायत देने का फैसला किया गया है। उक्त योजना ऐसे करदाताओं पर लागू होगी, जिन्होंने इस फैसले से पहले अपने आवासीय/गैर-निवासी संपत्ति कर को मनपा में जमा कर दिया है। यह बताते हुए कि इस योजना का उद्देश्य नागरिकों को उनके बकाया आवासीय/ गैर-आवासीय संपत्ति कर का भुगतान करने के लिए प्रोत्साहित करना है, महापौर शर्मिला पिंपलोलकर ने कहा कि यह आखिरी मौका है।

मनपा प्रभाग समिति स्तर पर सभी संग्रह केंद्रों पर कार्य दिवसों में सुबह 10.30 बजे से शाम 5.00 बजे तक और सार्वजनिक अवकाशों तथा शनिवार-रविवार को सुबह 10.30 बजे से शाम 4.00 बजे तक कर का भुगतान किया जा सकता है। साथ ही, मनपा की वेबसाइट www.thanecity.gov.in पर ऑनलाइन कर भुगतान की सुविधा उपलब्ध है तथा Google Pay, PhonePe, Paytm और BHIM ऐप के माध्यम से भी आसानी से कर का भुगतान किया जा सकता है। करदाताओं के लिए आसान बनाने के लिए, +912225331590 पर व्हाट्सएप, चैटबॉट प्रणाली लागू की है, और करदाता इसके माध्यम से भी आसानी से करों का भुगतान कर सकते हैं।

आम सूचना

मैं कु. नंदिनी बालू पाटील सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, बैरक नं. 147 के सामने, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 05एओ014358500) उक्त प्रॉपर्टी श्री बालू मुरलीधर पाटील के नाम पर है। उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 25.3.2026 सी. नं. 1031/2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
कु. नंदिनी बालू पाटील

आम सूचना

मैं मिस उषा माणिक अंबोरे सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, रमाबाई आंबेडकर नगर, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 19बीओ016153100(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री साहेब गणपत सालवे के नाम पर है। उन्होंने सेल एग्रीमेंट दि. 19.2.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
मिस उषा माणिक अंबोरे

आम सूचना

मैं श्री समीर विलास मंडावकर सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम नं. डी 2, ज्योति कालोनी, सखाराम नगर के पास, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 41सीआय009455600) उक्त प्रॉपर्टी श्री दिलीप पुरषोत्तम मारू के नाम पर है। उन्होंने सेल एग्रीमेंट दि. 19.3.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री समीर विलास मंडावकर

आम सूचना

मैं श्रीमती सरिका संदीप कदम सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, संतोष नगर, एचपीपी के पास, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 44सीओ010182200) उक्त प्रॉपर्टी श्री रामचन्द्र दत्तात्रेय कदम के नाम पर है। उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 21.1.2025 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सरिका संदीप कदम

आम सूचना

मैं श्रीमती रिंकू रामाश्रेय पांडे सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 202, दूसरा माला, सुमन अपार्टमेंट, ओटी सेक्शन, स्टेशन रोड, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 43सीआय009885600) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती कोमल दीपक लालचंदानी , श्रीमती राधिका कुमार वाधवा अल्यास स्विटा दीपक लालचंदानी के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 27.12.2025 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती रिंकू रामाश्रेय पांडे

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099